हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 97 | देहरादून, बृहस्पतिवार, 05 अक्टूबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

इन्वेस्टमेंट लाकर धामी ने धाक जमाई राज्य के युवाओं के उम्मीदों को पंख लगे 3

उत्तराखंड में महिला आरक्षण पर हाईकोर्ट की मोहर

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को बड़ी कामयाबी मिली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 5 अक्टूबर , उत्तराखंड की धामी सरकार के महिला आरक्षण कानून पर अब उत्तराखंड हाई कोर्ट ने भी अपनी मुहर लगा दी है।

हाई कोर्ट ने उत्तराखंड में महिला आरक्षण को चुनौती देने संबंधी याचिका को खारिज कर दिया है। प्रदेश की धामी सरकार ने 30 नवंबर 2022 को विधानसभा में महिला आरक्षण बिल को सर्वसम्मति से पारित कराकर राजभवन भेजा था। राज्यपाल ने उत्तराखंड लोक सेवा (महिलाओं के लिए क्षैतिज आरक्षण) विधेयक 2022 को मंजूरी प्रदान कर दी थी।

राजभवन से विधेयक को विधायी विभाग भेज दिया गया, जहां से इसका गजट नोटिफिकेशन जारी किया गया। इस कानून को लागू होने के बाद उत्तराखंड में महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का कानूनी अधिकार मिल गया। आरक्षण का लाभ उन सभी महिलाओं को मिलेगा, जिनका उत्तराखंड राज्य का अधिवास (डोमिसाइल) है। बेशक वे राज्य से बाहर किसी भी स्थान पर निवास कर रही हों।

हांलाकि इस मामले में एक याचिका इसके विरोध में हाई कोर्ट में दाखिल की गई थी जिसमें यह कहते हुए महिला आरक्षण कानून को चुनौती दी गयी कि राज्य सरकार ऐसा नहीं कर सकती। हाई कोर्ट ने इस मामले में आज सुनवाई करते हुए उक्त अपील को खारिज कर दिया है। इस फैसले के बाद उत्तराखंड में पार्टी और सरकार में एक नया उत्साह दिखाई दे रहा है जिसका असर लोकसभा चुनाव में दिखाई दे सकता है।

दिल्ली में धामी सरकार ने पेश किया नए उत्तराखंड का विजन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दिल्ली , 5 अक्टूबर , दिसंबर में उत्तराखंड में प्रस्तावित इन्वेस्टर समिट के आयोजन को लेकर दिल्ली में रोड शो का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश में एक साल के अंदर 10 लाख लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री के इस विजन को साकार करने में हम भी निरंतर प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विगत माह प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जी 20 देशों के सम्मेलन की मेजबानी द्वारा वैश्विक नेताओं को देश के समृद्ध इतिहास, संस्कृति एवं गतिशील अर्थव्यवस्था से परिचित कराने में मदद मिली। उत्तराखण्ड को भी जी 20 की तीन बैठकें आयोजित करने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके इंग्लैंड भ्रमण के दौरान वहां के पर्यटन मंत्री द्वारा इस सम्मेलन की सफलता बयान की। जी 20 के सफल आयोजन से हमें भी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन की प्रेरणा मिली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वाइब्रेंट गुजरात की भांति उत्तराखण्ड में ऐसी शुरुआत की गई है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई द्वारा उत्तराखण्ड को औद्योगिक पैकेज स्वीकार किये जाने से राज्य में औद्योगिक वातावरण के सृजन में मदद मिली। 2014 से पूर्व के कुछ वर्षों में यद्यपि इसमें कुछ व्यवधान रहा किन्तु 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य में सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है तथा 1.50 लाख करोड़ की विभिन्न योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा आज उत्तराखण्ड विश्वस्तरीय पसंदीदा पर्यटन गंतव्य बन रहा है। अब तक राज्य में 44 लाख लोग चार धाम यात्रा पर आ चुके हैं। कांवड़ यात्रा में इस वर्ष 4.15 करोड़ शिवभक्त आये जबकि गत वर्ष यह संख्या 3.75 करोड़ रही थी। पर्यटन सीजन में राज्य के सभी होटल, होम स्टे आदि की फुल बुकिंग रही, यह राज्य

के पर्यटन के लिये निश्चित रूप से शुभ संकेत है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास पर्यटकों और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना है, इसके लिये सड़क, रेल, हवाई कनेक्टिविटि आदि पर ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रोजगार ही नहीं बल्कि उत्तराखंड के आधारभूत ढांचे को विकसित करने में भी औद्योगिक निवेश अत्यंत आवश्यक है। इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हमने उत्तराखंड में ''ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट'' आयोजित करने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार से लन्दन एवं बर्मिंघम के रोड शो के दौरान 400 से अधिक उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से 20 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, उससे यह सिद्ध होता है कि देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी उद्यमी उत्तराखंड में निवेश करने के लिए उत्साहित हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल होने के साथ-साथ हमारा प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण, ऑटो कम्पोनेन्ट विनिर्माण, शिक्षा व स्वास्थ्य जैसे अनेकों क्षेत्रों में निवेश हेतु औद्योगिक जगत का एक पसंदीदा स्थल भी है। राज्य में लाइसेंस आदि के अनुमोदनों के लिए ''सिंगल विंडो सिस्टम'' की व्यवस्था में सुधार किया गया है। इस आयोजन हेतु राज्य के लिये फोकस सैक्टरों की पहचान की है जिनमें राज्य के पारम्परिक क्षेत्रों जैसे पर्यटन, आयुष, वेलनेस, खाद्य प्रसंस्करण, ऑटोमोबाईल्स, फार्मा के साथ-साथ वैकल्पिक ऊर्जा और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्र सम्मिलित हैं। इन फोकस सैक्टर्स की आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु भूमि और आधारभूत संरचनाओं की पहचान की है, जिसके अंतर्गत राज्य में 6 हजार एकड़ से अधिक के एक विशिष्ट लैंड बैंक की स्थापना की गई है। इन सैक्टर्स में निवेश योग्य परियोजना प्रस्ताव भी साथ-साथ तैयार किये जा रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि निवेशकों के पास राज्य में विभिन्न निवेश अवसरों का आकलन करने हेतु एक विशिष्ट रेफरेंस उपलब्ध हो। सरकार द्वारा मजबूत नीतिगत ढांचे में निवेशक हितेशी नीतियां बनाने के लिए विगत 4 माह में 27 से अधिक नीतियों को या तो बनाया गया है या नवीनीकृत किया गया है। जिनमें पर्यटन नीति-2023, डैडम्-नीति-2023, स्टार्टअप नीति-2023, लॉजिस्टिक्स नीति-2023 आदि शामिल हैं।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बड़ी संख्या में उपस्थित उद्यमियों से आपसी संवाद के दौरान उनके विचार सुने तथा उनके द्वारा दिये गये सुझावों पर अमल करने का आश्वासन भी दिया।सचिव मुख्यमंत्री आर मीनाक्षी सुंदरम ने अपने संबोधन में उत्तराखंड को आर्थिक रूप से सक्षम राज्य बताते हुए देश भर के उद्यमियों को उत्तराखण्ड में निवेश के लिये आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड का वातावरण उद्योगों के सर्वथा अनुकूल है।रोड़ शो के दौरान महानिदेशक उद्योग रोहित मीणा द्वारा अपने विस्तृत प्रस्तुतिकरण के माध्यम से उत्तराखण्ड में निवेशकों की सुविधाओं के लिये किये जा रहे प्रयासों, राज्य के औद्योगिक, आर्थिक, विकास, पर्यटन की संभावनाओं के साथ आर्थिक एवं औद्योगिक विकास के राष्ट्रीय परिदृष्य में उत्तराखण्ड के योगदान एवं प्रयासों की जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड निवेश की दृष्टि से सुरक्षित गंतव्य स्थल के रूप में उभर रहा है।

गृहमंत्री अमित शाह के प्रस्तावित भ्रमण की तैयारी को लेकर डीएम सोनिका ने ली अधिकारियों की बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून । माननीय गृहमंत्री भारत सरकार अमित शाह जी के 7 अक्टूबर 2023 को प्रदेश में टिहरी जनपद के नरेन्द्र नगर में आयोजित होने वाले सर्किल जोनल कांउसिलिंग की बैठक में प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम की तैयारी को लेकर जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने ऋषिपर्णा सभागार कलेक्टेऊट में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक कर समुचित व्यवस्थाओं को त्वरित पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह एवं मुख्य नगर आयुक्त मनुज गोयल व मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने माननीय गृहमंत्री के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम की जानकारी देते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की समुचित व्यवस्थाओं को सुगम, सुविधाजनक बनाना सुनिश्चित करेंगे। जिस हेतु उन्होंने लोनिवि, एनएच,एनएचआई, विद्युत, स्मार्ट सिटी, पेयजल निगम, एमडडीए एवं नगर निगम आदि विभागीय अधिकारियों को अपने विभाग से सम्बन्धित कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करते हुए आवागम रूट को सुव्यवस्थित बनाने के निर्देश दिए। जबकि पुलिस विभाग को यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद रखने के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से आवागमन रूट पर पड़ी निर्माण सामग्री/अतिक्रमण चिन्हित करते हुए अतिक्रमण हटाने तथा सडक़ों के किनारे फूटपाथ ठीक करने के भी निर्देश दिए। कार्यक्रम स्थलों पर विद्युत एवं पेयजल की निर्बाध व्यवस्था रखने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने आवागमन रूट को सुगम सुव्यवस्थित बनाने हेतु पैचवाईज अधिकारी तैनात करने तथा तैनात अधिकारियों को अपने-2 आंवटित स्थलों को मौके पर निरीक्षण करते हुए कार्यों एवं व्यवस्थाओं शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही जोलीग्रान्ट एयरपोर्ट से जनपद की सीमान्तर्गत गुजुराला तक सफाई व्यवस्था के निर्देश दिए। उन्होंने एमडीडीए को सडक़ों से झाड़ी कटान तथा विद्युत विभाग को झूलती विद्युत तारों को ठीक करने के निर्देश दिए।

सेहत के लिए फायदेमंद है कांटेदार सत्यानाशी पौधा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 05 अक्टूबर : हमारे आसपास मौजूद पार्क, गार्डन और सड़क के किनारे पर कई तरह के पेड़ पौधे और फूल उगे हुए दिखाई देते हैं। कई पेड़ पौधे ऐसे होते हैं, जिनके बारे में लोगों को जानकारी नहीं होती है और वह इन्हें जंगली और बेकार समझ लेते हैं। ऐसा ही एक पौधा पीले रंग ला सत्यानाशी फूल है, जिस अक्सर ही बेकार समझ कर फेंक दिया जाता हैं। इस पौधे में बहुत सारे कांटे होते हैं, यही वजह है कि इसे बेकार समझा जाता है। चलिए आज आपको इस पौधे से जुड़ी कुछ खास बातें बताते हैं।

सत्यानाशी पौधा देखने में बहुत खूबसूरत होता है और अक्सर ही खाली जमीन पर उग जाता है। इस पौधे में कई तरह की औषधि गुण मौजूद है और यह आपको अक्सर सड़क किनारे या निर्जन स्थान पर देखने को मिल जाएगा। इस पौधे में फूल, पत्ते, डाली सभी जगह पर कांटेदार पौधे होते हैं और इसे बहुत ही सावधानी के साथ तोड़ना पड़ता है। पीले रंग के स्कूल के अंदर बैंगनी रंग के बीच दिखाई देते हैं। सबसे खास बात यह है कि जब भी आप किसी पौधे या फूल को तोड़ते हैं तो उसमें से सफेद रंग का दूध निकलता है। लेकिन जब आप सत्यानाशी पौधे को तोड़ेंगे तो इसमें से आपको पीले रंग का दूध निकलता हुआ दिखाई देगा।

कांटेदार और बेकार सा दिखने वाला यह पौधा कई गुणों से भरपूर है और इससे बहुत तरह के फायदे होते हैं।जिन लोगों को अक्सर खांसी चलने या फिर सांस चलने की शिकायत होती है, वह अगर इसकी जड़ को पानी में उबालकर काढ़े की तरह पिएंगे तो उन्हें बहुत फायदा होगा।सत्यानाशी के तेल में गिलोय का जूस मिलाकर पीने से पीलिया जैसे रोग से मुक्ति मिलती है।पेट दर्द की समस्या को दूर करने में भी यह पौधा काफी कारगर है बस आपको इसके दूध में घी मिलाकर पीना होगा और दर्द से आराम मिल जाएगा।

सत्यानाशी पौधे को आप अपने घर में कैक्टस प्लांट की तरह ही लगा सकते हैं। जब इसमें फूल खिलेंगे तो यह बहुत ही खूबसूरत दिखाई देगा। इसे लगाने के लिए बस आपको पके हुए बीज की आवश्यकता होगी। आप इन्हें मिट्टी में मिला दें और बस पौधा उगने लगेगा। इस पौधे को कुछ खास देखभाल की जरूरत नहीं होती है। लगाते वक्त ही थोड़ी ऑर्गेनिक खाद इसकी मिट्टी में मिला दें। बीज के जरिए पौधा उगाने के अलावा आप छोटा सा पौधा लाकर भी इसे लगा सकते हैं। दिन में दो-तीन बार इसे पानी देने के अलावा आप धूप या छांव में कहीं भी इसे रख सकते हैं।

भारत का एक ऐसा रेलवे स्टेशन, जहां बिना पासपोर्ट और वीजा के नहीं मिलती एंट्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 05 अक्टूबर : अपने देश से बाहर जाने यानी विदेश जाने के लिए वीजा और पासपोर्ट की आवश्यकता होती है। बता दें कि वीजा एक अधिकार होता है जिसके तहत आपको दिए गए समय तक उस देश में रहने की अनुमति देता है जबकि पासपोर्ट आपकी पहचान को सत्यापित करता है और आपको अन्य देशों में प्रवेश करने की अनुमति देता है। पासपोर्ट में आपकी व्यक्तिगत जानकारी जैसे कि नाम, जन्मतिथि, राष्ट्रीयता, आदि शामिल होता है। जिसके बगैर किसी भी देश में एंट्री नहीं हो सकती है। ये तो हो गई विदेशों की बात लेकिन ऐसी एक जगह हमारे भारत में भी है, जहां बिना पासपोर्ट और वीजा के एंट्री नहीं मिलती है। जी हां, बिल्कुल सही सुना आपने तो चलिए आज हम आपको उस स्टेशन से रूबरू करवाते हैं, जहां पर बिना पासपोर्ट और वीजा के आपको एंट्री नहीं मिल सकती है। केवल इतना ही नहीं, नियमों का पालन नहीं करने पर आपको सजा भी हो सकती है।

दरअसल, हम बात कर रहे हैं पंजाब राज्य में स्थित अटारी रेलवे स्टेशन की जो कि अमृतसर जिले में है। यहां से पाकिस्तान के लिए ट्रेन चलती है। यह भारत का एक मात्र ऐसा रेलवे स्टेशन हैं, जहां पासपोर्ट और वीजा दोनों की आवश्यकता है ताकि आप वहां के अंतरराष्ट्रीय इलाके में यात्रा कर सकें।

यहां बहुत कड़ी सिक्योरिटी रहती है ताकि कोई भी चूक ना हो।अटारी रेलवे स्टेशन पर बिना वीजा और पासपोर्ट के पकड़े जाने पर 14 फॉरेन एक्ट का प्रावधान होता है। बता दें कि यह कानून बिना आवश्यक डॉक्यूमेंट्स के अंतरराष्ट्रीय इलाके में पकड़े जाने पर केस दर्ज किया जा सकता है। जिसके बाद जमानत लेने के लिए कई साल लग जाते हैं।

दिल्ली और अमृतसर से पाकिस्तान के लाहौर जाने वाली रेलगाड़ियां अटारी स्टेशन से ही गुजरती हैं। यह यात्रा भारत और पाकिस्तान के बीच समय-समय नागरिकों के लिए चलाई जाती है। जिनमें से समझौता एक्सप्रेस भी एक है। हालांकि, पिछले कुछ सालों में पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध बिगड़े हैं। जिसके कारण फिलहाल इस ट्रेन का संचालन बंद है।बता दें कि अटारी रेलवे स्टेशन पर कई फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। इसके अलावा, यहां खुफिया एजेंसी की नजर 24 घंटे रहती है। यहां तक कि यहां कुली का भी रहना मना है। इसलिए आपको यहां अपना सामान भी खुद उठाना पड़ेगा। बॉर्डर इलाके पर स्थित इस स्टेशन की सुरक्षा के लिए कड़े इंतजाम हैं ताकि कोई अनहोनी ना हो। अटारी रेलवे स्टेशन से किसी कारणवश ट्रेन लेट हो जाती है, तो भारत और पाकिस्तान दोनों के रजिस्टर में एंट्री होती है।

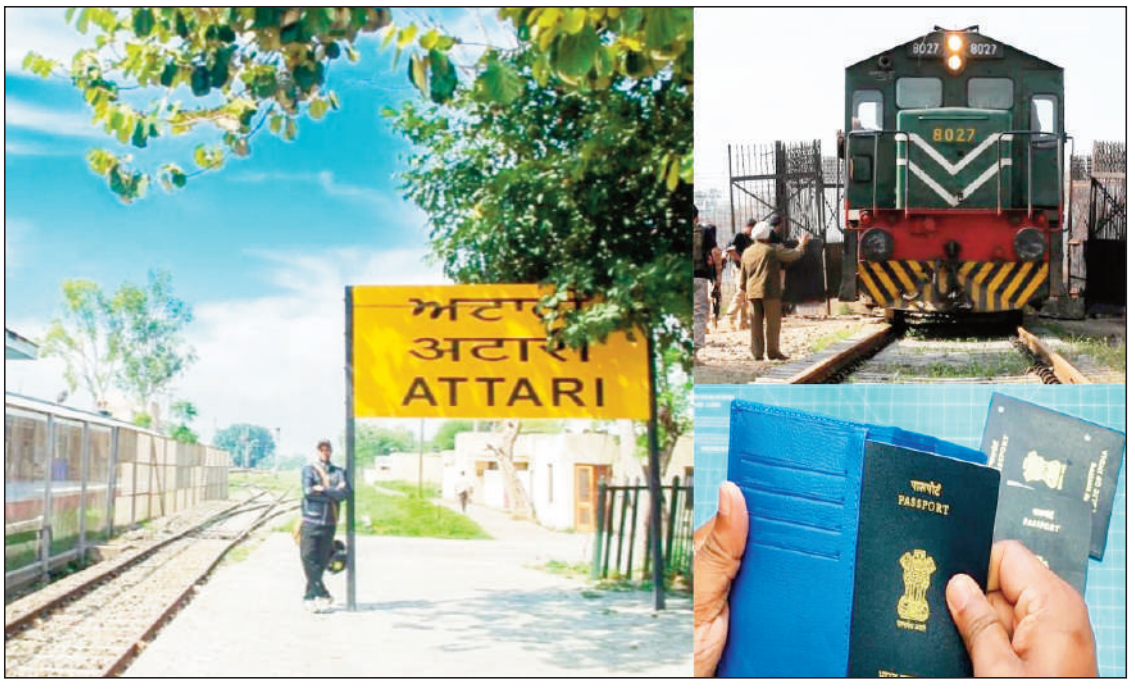

यहां नौकरी करने वालों की मौज, जल्द घर जाने पर मिलता है Bonus

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 05 अक्टूबरः ऑफिस पहुंचने का तो टाइम होता है और देरी पर सैलरी भी कटती है, लेकिन वापसी का कोई टाइम नहीं होता. दरअसल, अधिकांश बॉस चाहते हैं कि उनके कर्मचारी देर तक बैठकर काम करें. ये कल्चर केवल प्राइवेट ही नहीं, सरकारी दफ्तरों और बैंकों में भी मौजूद है. इस वजह से कर्मचारी मानसिक तौर पर परेशान रहते हैं और इस परेशानी का असर उनके कामकाज पर भी नजर आता है. इसी को ध्यान में रखते ही जापान में कुछ ऐसा हो रहा है, जिसे जानकर आप भी कहेंगे - हमारे एम्प्लॉयर इतने समझदार कब बनेंगे? मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जापान (Japan) में कर्मचारियों को जल्द घर जाने के लिए बोनस दिया जाता है. जापान में सरकारी कर्मचारियों को काम जल्द खत्म कर घर जाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है. ऐसा इसलिए ताकि कर्मचारी निजी जिंदगी और ऑफिस के कामकाज में संतुलन बना सकें. जापान की सरकार का मानना है कि यदि कर्मचारी परिवार और दोस्तों के साथ ज्यादा समय बिताएंगे, तो मेंटली फिट रहेंगे. सरकार चाहती है कि कर्मचारी अपना समय और पैसा जिंदगी को बेहतर बनाने पर खर्च करें.जापान की सरकार ने पिछले साल जुलाई में युकाईसू नाम की यह योजना लागू की थी. अब इस साल के लिए फिर से इसे लागू कर दिया गया है. इस योजना के तहत 9 से शाम 5 बजे ऑफिस बंद कर दिए जाएंगे. इससे ऑफिस में बिजली की भी बचत होगी. सरकार चाहती है कि कर्मचारी ऑफिस में देर तक बैठकर काम न करें, उन्हें जल्दी घर जाने के लिए बोनस भी दिया जाता है. इसके उलट भारत में ऑफिस टाइमिंग अघोषित तौर पर लगातार लंबा होता जा रहा है. लंबे समय से मांग उठ रही है कि दफ्तरों के कामकाज को कर्मचारियों के अनुकूल बनाया जाए. सरकारी बैंक भी 5 डेज वर्किंग कल्चर की मांग कर रहे हैं.

अभी बैंक महीने के दूसरे और आखिरी शनिवार को बंद रहते हैं. हालांकि, बैंक यूनियन की मांग है कि यह व्यवस्था हर शनिवार को लागू की जाए, भले ही इसके एवज में बैंक के खुलने का समय कुछ पहले कर लिया जाए. बता दें कि मोदी सरकार के कार्यकाल में बैंकों का कामकाज काफी ज्यादा बढ़ गया है. क्योंकि अनगिनत योजनाओं का क्रियान्वयन बैंकों के माध्यम से ही किया जा रहा है.

इन्वेस्टमेंट लाकर धामी ने धाक जमाई राज्य के युवाओं के उम्मीदों को पंख लगे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखण्ड के युवा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लीक से हटकर कार्य करने के लिए जाने जाने लगे हैं पहले उन्होंने ब्रांड हिंदुत्व की छवि बनाते हुए देवभूमि उत्तराखंड में सख़्त धर्मांतरण क़ानून लागू करा फिर साथ ही प्रदेश भर में अवैध मज़ारों को ध्वस्त कर वन विभाग की हज़ारों एकड़ भूमि को वापस क़ब्ज़े में लिया। यह सर्वविदित हो चुका है की सामान नागरिक संहिता (यूसीसी) क़ानून को लागू करने वाला उत्तराखंड पहला राज्य बन रहा है जिसका ड्राफ़्ट कमेटी द्वारा लगभग पूरा कर लिया गया है ।

युवा फ़ायर ब्रांड और धाकड़ धामी वाली छवि से इतर धामी का फ़ोकस राज्य के विकास की तरफ़ केंद्रित हो गया है । इसके सिलसिले में उन्होंने " इंवेस्टर समिट" कार्यक्रमों की शुरुआत करते हुए पहला दौरा अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ यूनाइटेड किंगडम का किया और वहाँ से लगभग 12,500 करोड़ के निवेश के एमओयू उत्तराखण्ड सरकार ने किए हैं । आज दिल्ली में उन्होंने जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी के साथ 15 हज़ार करोड़ के एमओयू में हस्ताक्षर किए हैं जिससे राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों में ऊर्जा संसाधनों को बल मिलने की भरपूर उम्मीद है । मुख्यमंत्री धामी ने दिल्ली में पत्रकारों को कहा कि उत्तराखण्ड में वेलनेस टूरिज्म और विलेज टूरिज्म जैसी अनेक संभावना है। उत्तराखण्ड में ऋषिकेश योग और आध्यात्म की वैश्विक राजधानी के रूप में जाना जाता है।

यूरोप से लेकर अन्य देशों के पर्यटक हर साल बड़ी तादात में योग आध्यात्म के लिए उत्तराखण्ड का रुख करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ऋषिकेश एवं अन्य स्थानों पर विश्वस्तरीय कन्वेशनर सेंटर की स्थापना हेतु निवेशकों से बातचीत कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित जी-20 समिट के सफल आयोजन से ब्रिटेन और भारत दोनों देशों के रिश्तों को और अधिक मजबूती मिली है। आगामी दिसंबर माह में आयोजित होने वाले उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में ₹2.5 लाख करोड़ के निवेश का लक्ष्य रखा गया है, जो प्रदेश की आर्थिकी को नई गति प्रदान करेगा । इस अक्टूबर दूसरे सप्ताह वह स्वयं दुबई सिंगापुर आदि देशों का दौरा करके एमएनसी कम्पनीज़ को उत्तराखण्ड में निवेश के लिये आमंत्रित करेंगे।

देश के सबसे युवा मुख्यमंत्री धामी अपने विकास मॉडल पर फ़ोकस करके जहां उत्तराखण्ड की आम जनता के बीच लोकप्रियता बढ़ाने में आगे निकल चुके हैं वहीं विगत दो माह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें तीन बार दिल्ली में समय देकर बढ़ी बैठके की हैं उससे साबित होता है की धामी अपने नेतृत्व की पसंद बन चुके हैं। साथ ही उनके कुमाऊँ मण्डल के मंदिरों को जोड़ने वाले सर्किट " मानस माला " के कार्यों को देखने स्वयं मोदी पिथौरागढ़ के सीमांत चीन सीमा से लगी दारमा और व्यास घाटी के ओम पर्वत आदि कैलास और नारायण आश्रम के दौरे पर आ रहे हैं ।

(ध्रुव रौतेला उत्तराखण्ड के वरिष्ठ पत्रकार हैं और पूर्व में महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के ओएसडी रह चुके हैं)

मायावती आश्रम पहुंचे मंत्री गणेश जोशी, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

लोहाघाट 05 अक्टूबर। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी लोहाघाट पहुंचे, जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित दौरे को लेकर लोहाघाट में अद्वैत आश्रम, मायावती का निरीक्षण कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से संबंधित सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा यह स्थान बहुत ही रमणीक है यहां पर स्वामी विवेकानंद ने मेडिटेशन किया था। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री मोदी अगर यहां आएंगे तो निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को यहां से एक अलग ऊर्जा मिलेगी। यह आश्रम स्वामी विवेकानंद की यादों और विचारों का केंद्र बिंदु है। स्वामी विवेकानंद के जीवन दर्शन को समझने और उनके बताये हुए मार्ग के बारे में जानने की तमन्ना रखने वालों के लिए अद्वैत आश्रम मायावती एक अद्भुत स्थान है। विदित हो कि मायावती आश्रम अपनी नैसर्गिक सौन्दर्य और एकांतवास के लिए प्रसिद्ध है। बुरांस, देवदार, बांज और चीड आदि के जंगलों के बीच बसा यह आश्रम ना सिर्फ उत्तराखंड बल्कि देश और विदेश के अनेकों शांति और सौन्दर्य प्रेमी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। इस अवसर पर सांसद अजय टम्टा, पूर्व मंत्री बलवंत सिंह भौर्याल, जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योति राय, बीजेपी जिलाध्यक्ष निर्मल मेहरा आदि उपस्थित रहे।

स्कूटर से मेला अस्पताल पहुंचे निशंक, चिकित्सकों की कमी पूरी करने दिए निर्देश

हरिद्वार । हरिद्वार सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक स्कूटर में सवार होकर मेला अस्पताल में निरीक्षण के लिए पहुंचे। निशंक ने मेला अस्पताल के मरीजों और चिकित्सकों से बातकर उनकी समस्याओं को सुना। इस दौरान मेला अस्पताल में डॉक्टरों की कमी का मामला सामने आया। निशंक ने मौके से ही स्वास्थ्य सचिव और डीजी हेल्थ को फोन कर डॉक्टरों की कमी को जल्द पूरी करने के निर्देश दिए। निशंक ने कहा कि हरिद्वार में स्नान एवं अन्य पर्वों पर देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में यहां के अस्पतालों में जितने चिकित्सकों की मांग है उससे 25 फीसदी अधिक की तैनाती की जानी चाहिए। उन्होंने कहा वर्तमान में अस्पताल से जितने भी चिकित्सकों का तबादला हुआ है जब तक उनके स्थान पर अन्य चिकित्सक की तैनाती नहीं हो जाती तब तक ऐसे चिकित्सकों को न भेजा जाए। निशंक बुधवार सुबह स्कूटर में सवार होकर हवाई चप्पल में मेला अस्पताल पहुंच गए। इस दौरान उन्होंने मेला अस्पताल के सीएमएस डॉ. राजेश गुप्ता से डॉक्टरों की संख्या के बारे में जानकारी मांगी। सीएमएस ने बताया कि 29 पदों के सापेक्ष मात्र 16 डॉक्टरों की ही तैनाती है। वहीं, डेंगू मरीजों के इलाज संबंधी जानकारी भी निशंक ने ली। जिसके बाद वह ब्लड बैंक पहुंचे जहां उन्होंने रक्तदान कर रहे युवाओं से बातचीत कर और प्रोत्साहित किया।

थराली में भाजपा का बूथ सत्यापन अभियान जोरो पर

चमोली। थराली में भारतीय जनता पार्टी का बूथ सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ता लगातार बूथों एव शक्तिकेन्द्रों पर जाकर संगठन से जुड़े कार्यकताओं का सत्यापन कर रहे है। भाजपा मंडल अध्यक्ष नंदू बहुगणा ने बताता की पार्टी के वरिष्ठ कार्यकताओ को इस कार्य मे लगाया गया है। कार्यक्रम के तहत बूथ स्तर पर पार्टी की मजबूती के लिए नए कार्यकताओ को भी जोड़ा जा रहा है। बड़ी संख्या में युवा पार्टी से जुड़ रहे है। बहुगुणा ने बताया कि कार्यकताओं के सत्यापन के दौरान कार्यकताओ को बूथ स्तर, शक्तिकेन्द्रों, मंडलो एव विभिन्न आनुसागिक संगठनों की भी जिम्मेदारी दी जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

जिला महिला अस्पताल में गर्भवती महिला की मौत

हरिद्वार। जिला महिला अस्पताल में गर्भवती महिला की मौत हो गयी। गर्भवती को चिकित्सक ऑपरेशन कक्ष में ले जा रहे थे। अचानक महिला का स्वास्थ्य बिगड़ा और उसकी मौत हो गयी। सीएमएस डॉ. राजेश गुप्ता ने बताया कि शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। लक्सर रोड स्थित रानीमाजरा निवासी विनेश कुमार अपनी गर्भवती पत्नी शिवांगी धीमान (30) को जिला महिला अस्पताल लेकर आया था। जिला महिला अस्पताल के वरिष्ठ गायनोलॉजिस्ट डॉ. यशपाल सिंह तोमर ने बताया कि महिला को दर्द होने पर पति को ऑपरेशन करने के लिए सलाह दी थी। पति की स्वीकृति के बाद गर्भवती के ऑपरेशन की तैयारी में जिला महिला अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मी जुट गए। उन्होंने बताया कि जैसे ही महिला को ऑपरेशन कक्ष में ले जाने लगे।

मारपीट में घायल कर्मचारी की मौत, हत्या का केस दर्ज

हरिद्वार। बहादराबाद क्षेत्र में हुई मारपीट में घायल कर्मचारी की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक वाघी, पकाही उर्फ असदपुर पकौली, मुजफ्फरपुर बिहार निवासी उपेंद्र ने शिकायत कर बताया कि वह अपने भाई धर्मेंद राय के साथ इब्राहिमपुर रोड स्थित एक पैकेजिंग कंपनी में पिछले नौ साल से काम कर रहा था। दोनों भाई बहादराबाद थाना क्षेत्र में रह रहे थे। 17 सितंबर को फैक्ट्री में अवकाश था। रात के समय उनका विवाद गांव के ही कुछ लोगों के साथ हो गया। आरोप है कि सतपाल सैनी पुत्र नारायण सैनी निवासी गांव इब्राहिमपुर, पथरी ने उसके भाई धर्मेंद्र राय पर ईंट से वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल धर्मेंद को उपचार के लिए भूमानन्द अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया।

हरकी पैड़ी में चोरी की योजना बना रहे तीन गिरफ्तार

हरिद्वार । हरकी पैड़ी पुलिस ने क्षेत्र में चोरी की योजना बनाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से चोरी तीनों के कब्जों से ब्लड पुलिस ने बरामद किए है। इंस्पेक्टर भावना कैंथोला के मुताबिक हरकी पैड़ी पुलिस धनुष पुल के पास गश्त पर थी। तभी पुल के किनारे के नीचे बैठकर तीन युवक चोरी की योजना बना रहे थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिसकर्मियों ने दबिश देते हुए आरोपी अभिषेक उर्फ टोनू निवासी भीमगोड़ा खडख़ड़ी, सोनू निवासी राजीवनगर थाना डोईवाला जनपद देहरादून और धर्मेन्द्र सिंह निवासी जगजीतपुर पीठ बाजार कनखल को गिरफ्तार कर लिया गया।

पीएनजी कार्यालय पहुंचे वरिष्ठ नागरिक, किया प्रदर्शन

हरिद्वार। वरिष्ठ नागरिक समिति पंचपुरी हरिद्वार से जुड़े सदस्यों ने हरिद्वार नेचुरल गैस कंपनी कार्यालय पहुंच कर धरना प्रदर्शन किया। वरिष्ठ नागरिकों ने कहा कि सिक्योरिटी फीस बढ़ाई गई है। कई जगह पाइप लाइन नहीं बिछाई गई है। कंपनी प्रबंधन के आश्वासन के बाद धरना समाप्त किया। गैस सप्लाई करने वाली पीएनजी कंपनी पर अनियमितताओं का आरोप लगा वरिष्ठ नागरिक बुधवार को कंपनी कार्यालय पहुंचे। एचएनजीपीएल कंपनी में ढाई घंटे तक धरना प्रदर्शन कर विरोध दर्ज किया। वरिष्ठ नागरिक राम प्रसाद जखमोल ने कहा कि कंपनी ने सिक्योरिटी फीस 500 रुपये बढ़ा दी है। आरोप लगाया कि कंपनी घर-घर गैस पहुंचने में नाकाम है। जिन स्थानों पर घरों में पाइप लाइन की फिटिंग की गई है। वहां पाइप लाइन नहीं बिछाई गई है। जिन स्थानों पर पाइप लाइन बिछाई गई है। वहां घरों में कनेक्शन कंपनी नहीं दे रही है।

मंदिर की घंटी से क्या है भगवान विष्णु का कनेक्शन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 अक्टूबर , मान्यता है कि घंटी बजाने से निगेटिव एनर्जी दूर होती हैं. अक्सर आपने देखा होगा पूजा की घंटी पर देवता का चित्र बना हुआ होता है. क्या आपने सोचा है आखिर घंटी पर कौन से देवता का चित्र होता है और क्या है घंटी का महत्व? चलिए जानते हैं मंदिर में रखी घंटी से जुड़ी कुछ जरुरी बातें.हिंदू धर्म में पूजा करने के लिए लोग मंदिर जाते हैं, मंदिरों के मुख्य दरवाजों पर घंटियां बंधी हुई होती हैं, जिन्हें लोग मंदिर के अंदर प्रवेश करने से पहले जरूर बजाते हैं, जिसके बाद ही भगवान की पूजा और दर्शन करते हैं. मंदिरों के बाहर और अंदर घंटी बांधने की परंपरा सदियों से चली आ रही है.हिंदू धर्म के अनुसार, पूजा पाठ से पहले घंटी बजाने से सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति होती है और आस पास का वातावरण शुद्ध होता है. धार्मिक मान्यता है कि घर या मंदिर में पूजा करते समय घंटी

बजाने से वातावरण में मौजूद सूक्ष्म जीव और कीटाणु नष्ट हो जाते हैं और निगेटिव एनर्जी भी दूर होती है.

मंदिर में क्यों होती है घंटी ?

मंदिरों में अलग-अलग तरह की घंटियों का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन इन सभी घंटियों में से गरुड़ घंटी को सबसे अधिक शुभ माना जाता है. पौराणिक मान्यता के अनुसार, सृष्टि की रचना में ध्वनि और नाद का अत्यधिक योगदान है. माना जाता है कि सृष्टि की रचना के समय जो नाद निकला था, वही नाद गरुड़ घंटी को बजाने से निकलता है. मान्यता है कि गरुड़ घंटी की ध्वनि से देवी-देवता प्रसन्न होते हैं और साथ ही वातावरण भी पवित्र होता है, मंदिर और घर के पूजा स्थल में गरुड़ घंटी को रखना शुभ जाता है.हिंदू धर्म के सिद्धांत के अनुसार माना जाता है कि ध्वनि से प्रकाश की उत्पत्ति होती है और बिंदु रूप प्रकाश से ही ध्वनि की उत्पत्ति होती है. इसलिए घंटी के रूप में ध्वनि को मंदिर और पूजा घर में रखने की मान्यता है. पूजा से पहले और पूजा के दौरान घंटी बजाने से नकारात्मक ऊर्जा और कई प्रकार के वास्तु दोष दूर होते हैं, साथ ही साथ घर में सुख-समृद्धि भी बढ़ती है.

गरुड़ घंटी का महत्व

मान्यता के अनुसार, गरुड़ घंटी के बिना पूजा अधूरी मानी जाती है. आरती के बाद लोग घंटी बजाने से सभी इच्छाएं भगवान तक पहुंचती हैं. पूजा में गरुड़ घंटी का इस्तेमाल करने से विशेष मिलता है. गरुड़ घंटी आकार में छोटी होती है, जिसको एक हाथ से बजाया जा सकता है. मान्यता है की पूजा में गरुड़ घंटी के इस्तेमाल से मोक्ष की प्राप्ति होती है और घर में हमेशा सकारात्मक ऊर्जा का वास रहता है.मान्यता है सुबह नहाने के बाद घर में प्रतिदिन गरुड़ घंटी बजाने से धन की देवी मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और उस घर में सदैव अपनी कृपा बनाए रखतीं हैं. गरुड़ घंटी के इस्तेमाल से घर में कंगाली नहीं आती है और आय के स्रोत बढ़ने लगते हैं. प्रतिदिन गरुड़ घंटी बजाने से पारिवारिक संबंध मधुर होता हैं और परिजनों में आपसी तालमेल बना रहता है. माना जाता है कि गरुड़ घंटी बजाने से तन मन को शांति मिलती है और मानसिक तनाव भी कम हो जाता है.

50 सीढ़ियां चढ़ने से कम होता है Heart Disease Risk

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 अक्टूबर , हार्ट संबंधी कई बीमारियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। अब हाल ही में द इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के अनुसार, तुलाने यूनिवर्सिटी के एक नए अध्ययन से पता चला है कि हर दिन कम से कम 50 सीढ़ियां चढ़ने से हृदय रोग का खतरा कम हो सकता है। शोध के अनुसार, रोजाना पांच बार से अधिक सीढ़ियां चढ़ने से हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा लगभग 20 फीसदी तक कम हो सकता है। स्ट्रोक, कोरोनरी धमनी रोग और अन्य हृदय संबंधी बीमारियां, जैसे एथेरोस क्लोरोटिक हृदय रोग (एएससीवीडी) दुनिया भर में मृत्यु दर के मुख्य कारण हैं।

सीढ़ी चढ़ने से हार्ट पर सीधा असर

द इंडिपेंडेंट ने अध्ययन के को-राइटर डॉ लू क्यूई के हवाले से कहा, 'हाई इंटेंसिटी वाली सीढ़ियां चढ़ना कार्डियोरेस्पिरेटरी फिटनेस और लिपिड प्रोफाइल में सुधार करने का एक कुशल तरीका है, खासकर उन लोगों के लिए जो वर्तमान में शारीरिक एक्टिविटी करने में असमर्थ हैं। तुलाने यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन के एक प्रोफेसर ने ऐसा कहा कि सामान्य आबादी में एएससीवीडी के लिए प्राथमिक निवारक उपाय के रूप में सीढ़ी चढ़ने के संभावित लाभों को उजागर करते हैं।

हृदय रोग का जोखिम कम करता है हर दिन सीढ़ियां चढ़ना

शोधकर्ताओं ने अध्ययन को अंजाम देने के लिए यूके बायोबैंक के डेटा का उपयोग किया है, जिसमें 450,000 वयस्क शामिल थे। प्रतिभागियों का उनके हृदय रोग के पारिवारिक इतिहास, ज्ञात जोखिम कारकों और आनुवंशिक जोखिम कारकों के आधार पर मूल्यांकन किया गया। जीवनशैली प्रथाओं और सीढ़ियां चढ़ने की आवृत्ति का एक सर्वेक्षण भी किया गया, जिसकी औसत अनुवर्ती अवधि 12.5 वर्ष थी। निष्कर्षों से पता चला कि जो लोग हृदय रोग के प्रति कम संवेदनशील थे, जब वे हर दिन अधिक सीढ़ियां चढ़ते थे तो उनमें जोखिम कम होता था।

सीढ़ी चढ़ने से होती है सांस की तकलीफ

इंग्लैंड के टीसाइड विश्वविद्यालय में खेल और व्यायाम के वरिष्ठ व्याख्याता डॉ. निकोलस बर्जर के अनुसार, सीढ़ियां चढ़ने से सपाट सतह पर चलने की तुलना में अधिक फायदे होते हैं क्योंकि इसमें अधिक मांसपेशियों, संतुलन और कौशल के उपयोग की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि सीढ़ियां चढ़ने की संक्षिप्त अवधि में भी महत्वपूर्ण हृदय

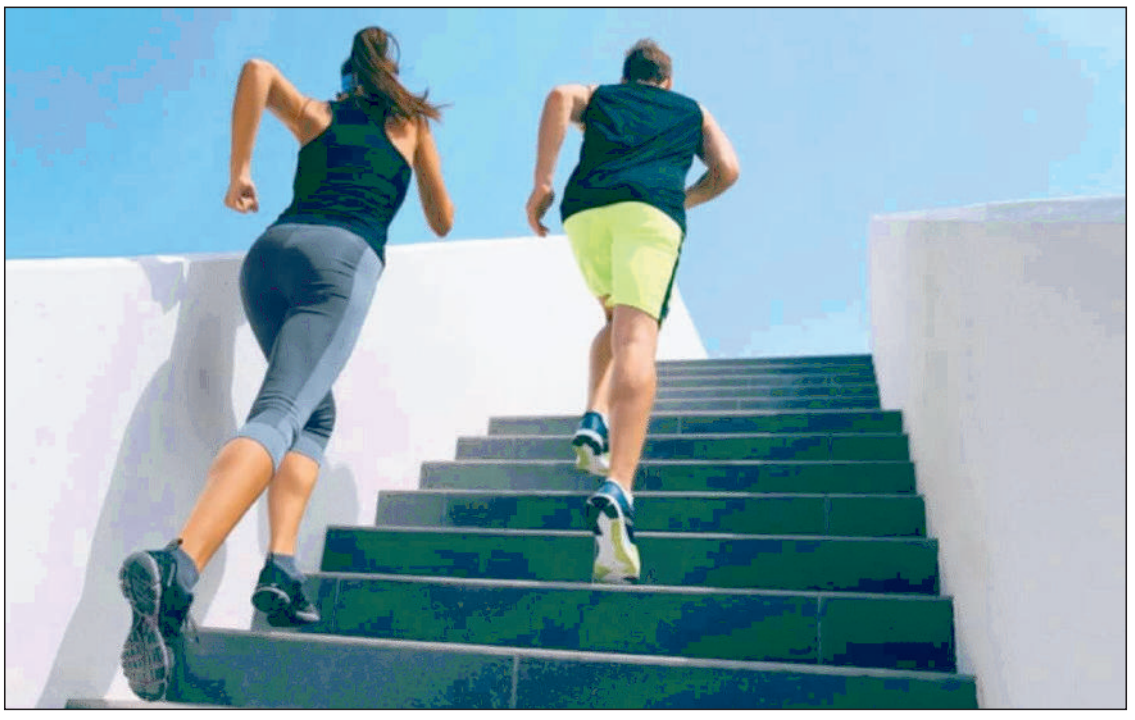

संबंधी गतिविधि शामिल होती है, यही कारण है कि इस अभ्यास में संलग्न होने पर लोगों को अक्सर सांस की तकलीफ का अनुभव होता है। गतिविधि के इन छोटे, रुक-रुक कर होने वाले विस्फोटों से हृदय रोग के जोखिम को कम करने के मामले में बड़े लाभ होते हैं। वे आपकी हृदय गति और ऑक्सीजन ग्रहण को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकते हैं और शरीर में सकारात्मक अनुकूलन का कारण बन सकते हैं।

उत्तराखंड में यहाँ है "भटके हुए देवता" का मंदिर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 अक्टूबर , भटके हुए लोगों को हम अक्सर देवालय और भगवान की शरण में ले जाने की बात करते हैं या परामर्श देते हैं लेकिन क्या आपने सोचा है कि क्यों, चक्कर खा गए न? जी हां , लेकिन ये हकीकत है और भटके हुए देवता का मंदिर भी है और वह भी भारत में ही अब आपके मन में ये उत्सुकता हो रही होगी कि ये मंदिर आखिर है कहाँ तो चलिए आपकी जिज्ञासा को शांत कर देते हैं हम.

यह मंदिर है देवों की नगरी हरिद्वार में है. युगतीर्थ शांतिकुंज में माँ गायत्री का प्रसिद्ध मंदिर है और इसी मंदिर प्रांगण में स्थित है भटके हुए देवता का मंदिर. गायत्री मंदिर के पश्चिम दिशा की ओर स्थित इस मंदिर के बाहर लिखा है "भटका हुआ देवता".भटका हुआ देवता का बोर्ड देखते ही सबकी नजरें इस भटके हुए देवता को खोजने के लिए व्याकुल हो उठती हैं. पर्यटक यहाँ आकर भटका हुआ देवता की तस्वीर या मूर्ति को खोजने की कोशिश करते हैं लेकिन घंटों खोजने के बाद भी लोगों को भटके हुए देव के दर्शन नहीं होते क्योंकि भटका हुआ देवता कोई और ही है.

लोगों के दिमाग में यह बात रह रहकर आती है कि आखिर कहाँ हैं ये देव ? क्योंकि यहाँ किसी

भगवान की मूर्ति या तस्वीर है ही नहीं ,अगर है तो बस पांच बड़े बड़े आइने (कांच) लगे हैं और उनमें आत्मबोध, तत्वबोध कराने वाले वेद-उपनिषदों के मंत्र लिखे हैं. चारों वेदों के चार महावाक्य जो जीव-ब्रह्म की एकता को बताते हैं, यहां उल्लिखित हैं. साधक यहां आकर सोऽहं से अहम् या आत्मब्रह्म तक के सूत्रों को धारण करते हैं. कहते हैं यहां आकर साधकों में आत्मबोध की अनुभूति होती है. यहां दर्पण के सामने खड़े होकर स्वयं के स्वरूप को निहार कर अन्तःकरण की गहराई में झांकने का अभ्यास सतत करते रहना चाहिए.

आपको बता दें की इन शब्दों का अर्थ भी पास लगे बोर्ड पर लिखा हुआ है. जब इन दर्पणों को देखने पर खुद का चेहरा दिखता है तब पता चलता है कि ये खोया हुआ देवता कोई और नहीं बल्कि हम इंसान ही है. अब सवाल ये उठता है कि इंसान की तुलना देवता से कैसे की जा सकती है. तो इसका उत्तर बहुत ही सरल और सीधा है. मनुष्य भगवान की संतान है, अतः भगवान की संतान भगवान ही तो होगी न, इसलिए इंसान भी भगवान अर्थात देवता ही है.

संक्षिप्त खबरें

महिला की हत्या में पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

हरिद्वार । शहर कोतवाली के पुराना औद्योगिक क्षेत्र में मिले महिला के शव के मामले में पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर लिया है। महिला की शिनाख्त अब तक नहीं हो पाई है। पांच दिन पूर्व क्षेत्र में रबड़ फैक्ट्री के ठीक सामने जंगल में एक महिला का शव मिला था। करीब 35 वर्षीय महिला के गले में रस्सी के साथ साथ उसके कुर्ते का फंदा कसा हुआ था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की मौत की वजह गला दबाकर हत्या करना सामने आई है। चौकी प्रभारी नरेंद्र सिंह रावत की ओर से हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया है।

बीटेक के छात्रों ने क्षेत्रीय भाषा में हस्ताक्षर किए

हरिद्वार । गुरुकुल कांगड़ी विवि के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय में बुधवार को भारतीय भाषा उत्सव मनाया गया। भाषाएं अनेक, भाव एक थीम के अंतर्गत मेरी भाषा मेरे हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत की गई। अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय में की गई। बीटेक के छात्रों ने अभियान में भाग लेकर अपनी क्षेत्रीय भाषा में हस्ताक्षर किए। अभियान के कॉडिनेटर डॉ. अजीत तोमर ने बताया कि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय में देश के विभिन्न प्रान्तों के छात्र पढ़ते हैं। मेरी भाषा मेरे हस्ताक्षर अभियान में अपनी क्षेत्रीय भाषा में हस्ताक्षर किए। अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय में इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. लोकेश जोशी ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन से छात्रों के मध्य भाषा के स्तर पर एक गहरा रिश्ता विकसित होता है और छात्र एक दूसरे की क्षेत्रीय भाषा जो जानने और समझने में रुचि लेते हैं।

रोड़ीबेल वाला में यात्रियों से विवाद, वीडियो वायरल

हरिद्वार। रोड़ीबेलवाला पार्किंग में बैरियर पार कर जबरन अंदर जाने को लेकर यात्रियों और पार्किंग कर्मियों में विवाद हो गया। कर्मचारियों और यात्रियों के बीच हाथा-पाई हो गई। मारपीट का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। शहर कोतवाली क्षेत्र में रोड़ीबेलवाला पार्किंग में मंगलवार की रात को कुछ यात्री कार लेकर पहुंचे। आरोप है कि बैरियर पर बिना रुपये दिए अंदर जाने का प्रयास करने लगे। इस पर कर्मचारियों ने उन्हें रोका। जिसको लेकर कहासुनी हुई और मारपीट हो गई। पास में खड़े किसी व्यक्ति ने इसकी वीडियो बना ली। इसका वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। सूचना मिलने पर चौकी प्रभारी प्रवीन रावत मौके पर पहुंचे, तब तक यात्री अपनी गाड़ी लेकर निकल चुके थे।

योगी का मदरसा उत्तराखंड के मदरसों से बेहतर क्यों ?

- यूपी के मदरसों से निकलेंगे AI ट्रेंड बच्चे, उत्तराखंड वेद कुरआन में उलझा
- यूपी के मदरसों में कम्प्यूटर क्लास उत्तराखंड के मदरसों को धामी से आस
- योगीराज में डिजिटल लिट्रेसी को बढ़ावा - देवभूमि में मदरसा डिग्रियों से छलावा
- कोडिंग में भी बनेंगे एक्सपर्ट, योगी सरकार के फैसले से बदलेगी सूरत
- क्या मुफ़्ती शमून कासमी बदल पाएंगे धामी सरकार में मदरसों की सूरत ?

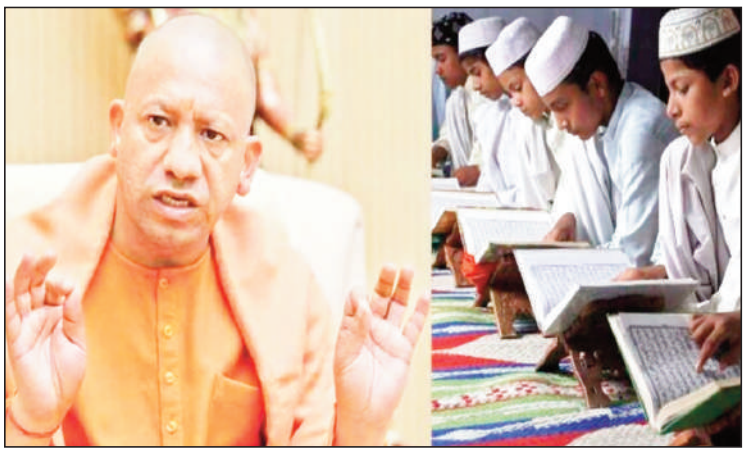

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तर प्रदेश के मदरसों में पढ़ने वाले छात्रों की किस्मत बदलने वाली है. यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार ने मदरसों में आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक अहम फैसला लिया है. इस फैसले के बाद अब मदरसों से भी ट्रेंड बच्चे निकलेंगे.बेसिक शिक्षा परिषद के साथ मिलकर मदरसा शिक्षा परिषद अब ये व्यवस्था लागू करने जा रहा है. इसके लिए पहले मदरसे के शिक्षकों के लिए ओरियंटेशन मॉड्यूल ऑन एआई शुरू करेगी वहीँ आधुनिक और बेहतरीन तालीम के मापदंडों पर उत्तराखंड मदरसा बोर्ड अभी बहुत पिछड़ा नज़र आता है। क्या है वजह आपको बताते हैं योगी सरकार ने फैसला लिया है कि मदरसा शिक्षा परिषद के सिलेबस में डिजिटल लिट्रेसी को बढ़ावा दिया जाएगा. मदरसे के छात्र अब कोडिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पढ़ाई करेंगे.इधर उत्तराखंड मदरसा बोर्ड की बात करें तो यहाँ ड्राप आउट की संख्या ही हकीकत बयान कर देती है। शिक्षा के मामले में देश के सबसे कामयाब राज्य में धामी सरकार नयी एजुकेशन पालिसी के ज़रिये बेहतरीन योजनाओं पर काम कर रही है। लेकिन जब बात मदरसों की हो तो हालत बेहद सोचनीय है। मदरसों में कंप्यूटर तो छोड़िये स्टूडेंट्स ही बेहद कम हैं लड़कियों की संख्या तो और भी चिंताजनक है। उत्तराखंड में अनुदान से चलने वाले मदरसे योजनाओं का पूरा लाभ लेते हैं लेकिन सुविधाएं , जैसे किताबे , कम्प्यूटर , टीचर , आधुनिक क्लास पेयजल , शौचालय जैसे बुनियादी ज़रूरतों पर संघर्ष आज भी कड़वी हकीकत बयान कर रहा है। उधमसिंह नगर , नैनीताल , सितारगंज , हल्द्वानी , हरिद्वार , देहरादून में बड़ी संख्या में मदरसे हैं लेकिन यहाँ महज खानापूर्ति दिखाई देती है। ऐसे में नए चेयरमैन बने मुफ़्ती शमून कासमी के सामने बेहिसाब चुनौतियाँ भी हैं जिस पर कामयाबी हासिल करना भी एक चुनौती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि मदरसे के छात्र भी तकनीक के अध्ययन में पीछे न रहें इसके लिए उन्हें मोर्डन एजुकेशन से जोड़ा जा रहा है। इस मामले में उत्तराखंड फिसड्डी तो यूपी अव्वल साबित होता है क्योंकि यूपी मदरसा बोर्ड अपने स्टूइडेण्ट्स को विश्वस्तरीय हायर एजुकेशन के लिए तकनीक और सूचना प्रौद्योगिकी के अध्ययन पर ज़ोर दे रहा है लेकिन उत्तराखंड मदरसा बोर्ड अपनी मान्यता के लिए ही जूझता रहा है जहाँ डिग्रियों को समकक्षता की

फ़ाइल रेंग रही है। सेलेबस और बोर्ड में अधिकारीयों की कमी कोढ़ में खाज का काम कर रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्कूल हो या मदरसा सभी जगह क्वालिटी एजुकेशन के लिए महकमों को बेहतर काम करने के सख्त निर्देश दिए हैं लेकिन अल्पसंख्यक भवन जैसे सफ़ेद हांथी की सेहत पर कोई असर पड़ता नज़र नहीं आता है। यूपी जहाँ मदरसों के आधुनिकीकरण के लिए पिछले कुछ सालों से अभिनव प्रयोग कर रहा है तो वहीँ उत्तराखंड के मदरसा टीचर्स को कई महीने की तनख्वाह भी मयस्सर नहीं होती है उस पर कम्प्यूटर , हिंदी और अंग्रेजी को टीचरों का अभाव भी एक समस्या है। प्रदेश के मदरसों में भी बाकी स्कूलों की ही तरह शिक्षा मिले, सुविधाएं मिले , प्रतियोगिता के दौर में बराबरी का मौका और कामयाबी मिले इसके लिए धामी सरकार के भरोदे पर खरा उतरने के लिए मुफ़्ती शमून कासमी को भागीरथी प्रयास करना पड़ेगा

परफ्यूम लगाकर नहीं जा सकेंगे पायलट और क्रू मेंबर्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 अक्टूबर , फ्लाइट में यात्रा के दौरान पायलट और क्रू मेंबर्स के परफ्यूम लगाने पर रोक लग सकती है। सुनने में ये बात भले अजीब लगे लेकिन नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले नागर विमानन महानिदेशालय यानी (DGCA) ने ये प्रस्ताव दिया है। अगर ये प्रस्ताव लागू हुआ तो पायलट और फ्लाइट के क्रू मेंबर्स सफर के दौरान परफ्यूम का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, DGCA द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में पहले से ही मादक पेय पदार्थों के साथ ही उन चीजों का भी उल्लेख है, जो ब्रेथ एनलाइजर का कारण बन सकते हैं। इनमें माउथवॉश भी शामिल है। लेकिन अब इसमें एक नया क्लॉज जोड़ा जा रहा है, जिसमें खासतौर पर इत्र यानी परफ्यूम का भी जिक्र किया गया है।

परफ्यूम के इस्तेमाल पर रोक

इसमें कहा गया है कि विमान चालक दल का कोई भी क्रू मेंबर किसी भी तरह की दवा, फॉर्मूलेशन का सेवन नहीं करेगा या किसी भी पदार्थ जैसे माउथवॉश, टूथ जेल, परफ्यूम या ऐसे

किसी प्रोडक्ट का इस्तेमाल नहीं करेगा, जिसमें अल्कोहल की मात्रा हो। ऐसा करने से ब्रेथ एनलाइजर टेस्ट पॉजिटिव हो सकता है। DGCA के प्रस्ताव में कहा गया है कि चालक दल का कोई भी मेंबर अगर ऐसी दवाएं ले रहा है तो उसे उड़ान शुरू करने से पहले कंपनी के डॉक्टर से कंसल्ट करना होगा।

तो क्या इस वजह से बैन किया जा रहा परफ्यूम

रिपोर्ट के मुताबिक, हालांकि परफ्यूम में थोड़ी मात्रा में अल्कोहल होता है। ऐसे में ये साफ नहीं है कि जिन परफ्यूम में थोड़ी मात्रा में एल्कोहल होता है, क्या उन्हें भी क्रू मेंबर्स की ओर से कपड़ों पर लगाने से ब्रीथ एनालाइजर टेस्ट पॉजिटिव आ सकता है या नहीं। बता दें कि भारत में एयरलाइन क्रू के लिए शराब से जुड़े नियम काफी सख्त हैं। इसे लेकर सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट की गाइडलाइन जारी की गई है। DGCA के लिए ऑफिशियल सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट अगस्त, 2015 में लागू किया गया था।

तो पायलट का लाइसेंस हो सकता है सस्पेंड

बता दें कि भारत में क्रू मेंबर के शरीर में अल्कोहल की मात्रा के थोड़ा-सा भी मिलने पर सख्त एक्शन लिया जाता है। इसके लिए तत्काल प्रभाव से 3 महीने के लिए पायलट का लाइसेंस सस्पेंड किया जा सकता है। साथ ही डीजीसीए विमान उड़ाने और मादय पेय पदार्थ का सेवन करने के बीच 12 घंटे का फासला भी रखा है। इन नियमों का सख्ती से पालन करना जरूरी है।

चाय पीने से क्यों उड़ जाती है नींद ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देश में ऐसे लोगों की तादाद काफी ज्यादा है, जो सुबह उठते ही चाय पीने के शौकीन हैं. अमूमन लोग इसे बेड टी कहते हैं. वहीं, कुछ लोग चाय के इतने शौकीन होते हैं कि दिनभर में कई बार इसे पीते हैं. ज्यादातर घरों में मेहमानों का स्वागत तो बिना चाय के हो ही नहीं सकता है. ऑफिस में लोग थकान और नींद को भगाने के लिए चाय का ही सहारा लेते हैं. लेकिन, क्या आप जानते हैं कि चाय में ऐसा क्या है, जो इसे पीने पर नींद और थकान मिट जाती है? इसमें ऐसा क्या है, जो ज्यादातर लोगों को चाय की आदत पड़ जाती है? हम आपको ऐसे ही कुछ सवालों के जवाब यहां दे रहे हैं.

चाय में बहुत अधिक मात्रा में कैफीन होती है. ये खास तरह का स्टिम्युलेंट होता है. इसलिए जब चाय पी जाती है तो नींद व थकान मिट जाती है और लोग तरोताजा महसूस करने लगते हैं. हालांकि, गलत समय पर और गलत तरीके से ज्यादा चाय पीने के कारण आपका स्लीपिंग सायकल बिगड़ सकता है. इससे कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है. ज्यादा चाय पीने से सबसे ज्यादा खतरा तनाव, अनिद्रा और उदासी बढ़ने का रहता है. यही नहीं, चाय में मौजूद कैफीन की ज्यादा मात्रा आपके दिमाग पर भी बुरा असर डाल सकती है.

सुबह चाय पीना नुकसानदायक क्यों

डॉक्टरों के मुताबिक, सुबह उठते ही खाली पेट चाय पीना स्वास्थ्य के लिए बेहद नुकसानदायक हो सकता है. सुबह उठते ही बिना ब्रश किए सीधे चाय पीने पर कई बैक्टीरिया मुंह से पेट में पहुंच जाते हैं. इससे शरीर में डिहाइड्रेशन की दिक्कत पैदा हो सकती है. वहीं, चाय में पाए जाने वाले टैनिक एसिड की वजह से पेट फूलने की समस्या भी हो सकती है. वहीं, रात में चाय पीने पर नींद उड़ना भी काफी नुकसानदायक हो सकता है. डॉक्टर्स का कहना है कि रोजाना 7 या 8 घंटे की नींद नहीं मिलने पर मधुमेह, वजन बढ़ना, उच्च रक्तचाप, अवसाद, हृदय रोग और हार्ट स्ट्रोक जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं खड़ी हो सकती हैं.

महात्मा गांधी से पहले भारतीय नोटों पर किसकी तस्वीर थी ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 अक्टूबर , भारतीय करंसी का कोई भी नोट हो, आज उसके ऊपरी हिस्से पर महात्मा गांधी की तस्वीर नजर आती है, पर हमेशा से ऐसा नहीं था. भारतीय नोटों पर पहली बार महात्मा गांधी की तस्वीर 1969 में छपी. इसकी भी एक वजह थी.तत्कालीन RBI गवर्नर एल के झा के सिग्नेचर और सेवाग्राम आश्रम की तस्वीर के साथ नोट पर महात्मा गांधी नजर आए. इसके बाद 1987 में 500 रुपए के नोट जारी किए गए जिसमें बापू की तस्वीर प्रिंट थी.

...तो फिर पहले किसकी तस्वीर छपती थी?

देश आजाद होने के बाद भी आरबीआई ने भारत में उन नोटों को जारी रखा जिन पर किंग जॉर्ज चतुर्थ की तस्वीर छपी थी. स्वतंत्र भारत में भारत सरकार ने 1949 में पहली बार एक रुपए का नोट जारी किया. इस नोट में किंग जॉर्ज को सारनाथ के अशोक स्तंभ से रिप्लेस किया गया.

पहली बार महात्मा गांधी भारतीय करेंसी पर कुछ यूं नजर आए.

आरबीआई संग्रहालय की वेबसाइट के मुताबिक, स्वतंत्र भारत के लिए प्रतीकों को चुना जाना था. शुरुआत में यह महसूस किया गया कि किंग जॉर्ज चतुर्थ के चित्र के स्थान पर महात्मा गांधी का चित्र लगाया जाए. इसके लिए डिजाइन भी तैयार किए गए थे, लेकिन अंत में आम सहमति महात्मा गांधी की तस्वीर की जगह सारनाथ के अशोक स्तंभ को चुना गया. इस तरह अशोक स्तंभ नोट का हिस्सा बना. हालांकि, नोट का नया डिजाइन काफी हद तक पहले की तर्ज पर था.

ऐसे बदलता गया भारतीय नोट

1950 में एशियाई शेरों वाले 2, 5, 10 और 100 के नोट जारी किए गए. अगले कुछ सालों में बड़ी राशि के नोटों को जारी करने का सिलसिला शुरू हुआ. इसमें एशियाई शेरों के साथ सांभर हिरण को शामिल किया गया. 1970 में खेती-किसानी को नोटों का हिस्सा बनाया गया. जैसे- किसान और बागान में चाय की पत्तियां तोड़ते श्रमिक.1980 में बड़े बदलाव दिखने लगे. नोटों पर विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में दिखने वाले बदले बदलाव प्रकाशित किए गए. जैसे- 2 रुपए के नोट पर आर्यभट्ट सैटेलाइट को जगह मिली. 5 रुपए के नोट पर फार्म मशीनरी को दिखाया गया. वहीं, 20 रुपए के नोट पर कोणार्क चक्र नजर आया.

देहरादून से वाराणसी जाने वाली ट्रेन, 7 अक्टूबर तक रद्द

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 05 अक्टूबर : ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों के लिए एक जरूरी खबर है। देहरादून से वाराणसी और वाराणसी से देहरादून आने वाली जनता एक्सप्रेस ट्रेन को 7 अक्टूबर तक के लिए रद्द कर दिया गया है। जाहिर है इससे रेल यात्रियों की मुश्किलें बढ़ेंगी। उन्हें यातायात के दूसरे साधन तलाशने पड़ेंगे। दरअसल वाराणसी रेलवे स्टेशन में यार्ड के रिमॉडलिंग और नॉन इंटरलॉकिंग के चलते ट्रेनों की आवाजाही रद्द की गई है। देहरादून से वाराणसी के बीच चलने वाली जनता एक्सप्रेस भी दो अक्टूबर से सात अक्टूबर तक के लिए रद्द कर दी गई है। ट्रेन के रद्द रहने से रेल यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। उधर जनता एक्सप्रेस के कैंसिल होने से, दूसरी ट्रेनों में भी यात्रियों की संख्या बढ़ गई है। कई ट्रेनें देरी से पहुंच रही हैं। कामाख्या से श्री माता वैष्णो देवी कटरा जाने वाली कामाख्या एक्सप्रेस ट्रेन अपने निर्धारित समय से पांच घंटे की देरी से लक्सर

रेलवे स्टेशन पहुंची।

स्टेशन अधीक्षक केआर मीणा ने बताया कि वाराणसी रेलवे स्टेशन पर मेंटेनेंस का काम चल रहा है। जिसके कारण ट्रेन रद्द या देरी से चल रही है। बीते दिन हावड़ा से योग नगरी आने वाली योग नगरी एक्सप्रेस ट्रेन भी अपने निर्धारित समय से 23 घंटे की देरी से लक्सर रेलवे स्टेशन पहुंची। वहीं योग नगरी ऋषिकेश से हावड़ा जाने वाली योग नगरी एक्सप्रेस ट्रेन 12 घंटे की देरी से लक्सर रेलवे स्टेशन पर पहुंची। जनता एक्सप्रेस के रद्द रहने से रेल यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

नैनीताल में कुत्ता पालने के लिए रजिस्ट्रेशन जरूरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 05 अक्टूबर : खूबसूरत वादियों के लिए मशहूर नैनीताल में आवारा कुत्ते दहशत का सबब बने हुए हैं। स्कूली बच्चे अकेले आने-जाने से डरते हैं। ऐसी कोई गली, कोई मोहल्ला नहीं, जहां लोग आवारा कुत्तों से परेशान न हों। सड़क पर पैदल गुजरना खतरे से खाली नहीं है, जान हर वक्त हलक में अटकी रहती है। लोगों ने इस बारे में नगर पालिका से कई बार शिकायत की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। अब हाईकोर्ट ने इस मामले में निर्देश का अनुपालन न करने पर अधिशासी अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में तलब किया है।

हाईकोर्ट की सख्ती के बाद पालिका प्रशासन भी एक्शन मोड में आ गया है। शहर में बेसहारा व पालतू श्वान के टीकाकरण व बधियाकरण का अभियान चलाया जा रहा है। नगर के अधिकांश बेसहारा कुत्तों का बधियाकरण किया जा चुका है। दरअसल उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में आवारा, पालतू श्वान (कुत्ता) पशुओं के प्रजनन पर रोक लगाते हुए पालतू कुत्तों का टीकाकरण,

बधियाकरण करवाना तथा पंजीकरण, लाइसेंस बनवाना जरूरी है। हाईकोर्ट के सख्त रुख के बाद शहर में कुत्ता मालिकों से अपने पालतू पशु का रजिस्ट्रेशन कराने को कहा गया है। ऐसा न करने वालों के खिलाफ वैधानिक व चालानी कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका ने एक टोल फ्री नंबर भी जारी किया है। जो लोग शहर में कुत्ते बेचते हैं, उन्हें इसके लिए पशु अस्पताल से लाइसेंस लेना होगा और पालिका निशुल्क बधियाकरण करेगी। शहर में अब तक 130 पालतू कुत्तों के लाइसेंस जारी किए जा चुके हैं। जो लोग कुत्ते का बधियाकरण नहीं कराएंगे उनके कुत्ते को पालिका उठाकर ले जाएगी, चालान भी काटा जाएगा। पालिका ने लाइसेंस शुल्क सौ रुपये से बढ़ाकर पांच सौ कर दिया है।

संक्षिप्त खबरें

वन विभाग की टीम ने मोछण में डाला डेरा

पौड़ी। नैनीडांडा के मोछण-गुणिया में मंगलवार को हुए हादसे के बाद विभाग ने यहां पिंजरा लागने के साथ ही टीम तैनात कर दी है। टीम में फॉरेस्ट और पीआरडी के जवान शामिल हैं। इसके साथ ही ट्रेंक्यूलाइज टीम भी मौके पर भेज दी गई है। महिला का शव पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं अभी तक महिला को बाघ ने मारा या फिर गुलदार ने यह पूरी तरह से साफ नहीं हो सका है। इसके लिए वन विभाग ने मौके से मिले बाल और लारवा का सैंपल वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट भेज दिया है। इस रिपोर्ट के आने के बाद ही पूरी स्थति साफ हो सकेगी। मंगलवार को घास लेनी गई महिला को शव देर रात को फारेस्ट और राजस्व टीम ने जंगल से बरामद किया था। मौके पर यह साफ हुआ कि महिला को बाघ या गुलदार ने ही हमला किया, लेकिन एक परिणाम पर नहीं पहुंचा जा सका। गढ़वाल वन प्रभाग के डीएफओ स्वनिल अनिरुद्ध ने बताया कि इसके लिए यहां मिले बाल और लार के सैंपल को टेस्ट के लिए भेज दिया गया है। इस रिपोर्ट के बाद पता चल जाएगा कि यहां गुलदार सक्रिय है या फिर बाघ। क्योंकि यह क्षेत्र कार्बेट से लगा है। लिहाजा यहां बाघ भी है। ऐसे में सैंपल रिपोर्ट जरूरी है। साथ ही आदमखोर घोषित करने के लिए भी यह पता लगाना जरूरी है कि आखिर किसे आदमखोर घोषित करने की परमिशन लेनी है। ऐसे में यह पत्र भी अभी तक मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक को नहीं भेजा जा सका है। ग्रामीणों की सुरक्षा को देखते हुए यहां फॉरेस्ट और पीआरडी की टीमें तैनात कर दी गई है। क्षेत्र में टीम चौबीस घंटे गश्त करेगी। इसके साथ ही पिंजरा लगाते हुए एक ट्रेंक्यूलाइज टीम भी मौके पर भेजी गई है। इसके साथ ही यहां कैमरा ट्रैपिंग भी लगा दिए गए हैं। गुलदार या फिर बाघ जो भी यहां सक्रिय होगा कैमरों में कैद हो जाएगा। डीएफओ ने बताया कि परिजनों से भी बातचीत कर ली गई है। नियमानुसार मुआवाजे की कार्यवाही पूरी की जा रही है। फौरी तौर पर 1 लाख 20 हजार की राशि परिजनों को सौंप दी गई है।

पाबौ में फ्री मिलेगी फिजियोथैरेपी की सुविधा

पौड़ी । पाबौ ब्लाक में जरूरतमंदों के लिए फिजियोथैरेपी की सुविधा मिलनी शुरू हो गई है। द हंस फाउंडेशन और हेल्पेज इंडिया की ओर से पाबौ में विधिवत रूप से इसका उद्घाटन हो गया है। संस्थानों की ओर से यह सुविधा निशुल्क दी जाएगी।पाबौ ब्लॉक मुख्यालय में बुधवार को द हंस फाउंडेशन और हेल्पेज इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में आधुनिक सुविधाओं से लैस फिजियोथैरेपी अस्पताल का उद्घाटन हो गया है। बीडीओ टीएस रावत ने विधिवत रूप से अस्पताल का उद्घाटन किया। उन्होंने इसे जरूरतमंदों के लिए बेहद अहम बताया। कहा कि बुजुर्गों के लिए फिजियोथैरेपी किसी वरदान से कम नहीं है। आज हर वर्ग को इस थैरेपी की जरूरत पड़ रही है। उन्होंने द हंस फाउंडेशन और हैल्पेज इंडिया की पहल को सराहनीय बताया। इस मौके पर हेल्पेज इंडिया के राज्य प्रमुख चैतन्य उपाध्याय ने कहा कि शरीर के एक हाथ का लकवा, एक हिस्से का लकवा हाथ व पैर का लकवा, चेहरे का लकवा तथा गठिया, जोड़ो व कमर दर्द आदि का इलाज संस्थानों द्वारा निःशुल्क किया जाएगा। इस मौके पर ग्राम प्रधान हरेन्द्र कोहली, सामाजिक कार्यकर्ता सुरेंद्र नौटियाल, डॉ. पंकज सिंह, मौसम अंसारी, प्रवीण राय, विवेक पाठक, अमित रावत आदि शामिल रहे।

कार्यशाला से गायब अफसरों को जारी होंगे नोटिस

पौड़ी । ई-गवर्नेंस को लेकर आरएस टोलिया प्रशासनिक अकादमी नैनीताल द्वारा विकास भवन सभागार में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। बैठक में जिला स्तरीय अफसरों के सापेक्ष अधीनस्थ कर्मचारियों के अधिक पहुंचने पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताई। डीएम ने कहा कि कार्यशाला से गायब अफसरों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे। बुधवार को विकास भवन सभागार में ई-गर्वनेंस की कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर डीएम डा. आशीष चौहान ने कहा कि कार्यशाला में अधीनस्थ कर्मचारियों की संख्या अधिक है जोकि बहुत निदंनीय विषय है। डीएम ने निर्देश दिए कि नदारद अफसरों को अब उनके अधीनस्थ कर्मचारियों से इस कार्यशाला का प्रशिक्षण लेना होगा और प्रशिक्षण के बाद मैं इस प्रशिक्षण में पूर्ण रूप से दक्ष हो गया हूं, का प्रमाण पत्र भी देना होगा। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन सूचना का अधिकार, सेवा का अधिकार, सिटीजन चार्टर व ई-ऑफिस पर विषय विशेषज्ञों द्वारा अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस मौके पर सीडीओ अपूर्वा पांडे, डीडीओ मनविंदर कौर आदि मौजूद रहे।

सौंडग़ांव के लोग पेयजल किल्लत से परेशान

पौड़ी । कोट ब्लॉक के सौंडग़ांव के लोगों को पेयजल की भारी किल्लत से जूझना पड़ रहा है। कहा कि जल महकमे की ओर से गांव में कादईखाल पंपिंग योजना का टैंक तो बनाया गया है। लेकिन उसका लाभ ग्रामीणों को नहीं दिया जा रहा। उन्होंने डीएम को ज्ञापन देकर पेयजल की समस्या से निजात दिलाने की गुहार लगाई है।

Google map के चक्कर में दो डॉक्टरों की मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 अक्टूबर , गूगल मैप (Google map) हमें रास्ता दिखाता है, लेकिन कई बार तकनीक पर अधिक निर्भर होना जान पर भारी पड़ता है। केरल के दो डॉक्टरों के साथ ऐसा ही हुआ। गूगल मैप के चक्कर में उनकी जान चली गई।दोनों डॉक्टर की मौत कार के नदी में डूबने से हुई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात केरल के कोच्चि में पेरियार नदी में उनकी कार गिर गई थी। इस हादसे में तीन लोग घायल हुए हैं। उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

भारी बारिश के चलते नहीं दिखा रास्ता

मृतकों की पहचान 29 साल के अद्वैत और 29 साल के अजमल के रूप में हुई है। दोनों कोच्चि के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में काम करते थे। वे कोडुन्गल्लुर से लौट रहे थे। इस दौरान भारी बारिश हो रही थी। रास्ता न भटकें इसके लिए वे गूगल मैप इस्तेमाल कर रहे थे। इसी दौरान कार ड्राइव कर रहे व्यक्ति ने नदी को पानी भरा सड़क समझ लिया। उसने कार को आगे बढ़ा दिया, जिससे कार नदी में गिर गई और डूबने लगी। अद्वैत और अजमल वक्त रहते कार से बाहर नहीं आ सके। तीन लोग बाहर आने में सफल रहे, जिससे उनकी जान बच गई।

तीन लोगों की बचाई गई जान

हादसे की जानकारी मिलने पर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। बचाव अभियान चलाने के लिए पुलिस और अग्निशमन सेवा के कर्मियों को सूचना दी गई। अधिकारियों ने शवों को निकालने के लिए स्कूबा डाइविंग टीम को भी मौके पर भेजा। अग्निशमन सेवा के कर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से कार से बाहर आए तीन लोगों की जान बचा ली गई।पुलिस ने बताया कि भारी बारिश के चलते विजिबिलिटी बहुत कम थी। वे गूगल मैप द्वारा दिखाए गए रास्ते पर कार ड्राइव कर रहे थे, लेकिन ऐसा लगता है कि मैप द्वारा सुझाए गए अनुसार बाएं मुड़ने के बजाय, वे गलती से आगे बढ़ गए और नदी में गिर गए।

हल्द्वानी : पकौड़े बेचने वाले पति-पत्नी निकले बंटी-बबली, 15 लाख का चूना लगाकर हुए फरार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 05 अक्टूबर : हल्द्वानी लालकुआं कोतवाली क्षेत्र कोई सोच भी नहीं सकता था कि यहां पकोड़े बेचने वाले लाखों की ठगी कर लेंगे, लेकिन ऐसा हुआ है। जी हां, पकौड़ी का ठेला लगाने वाले कई दंपति ने ब्याज पर पैसे लेकर कई लोगों को ठग लिया। ऐसा बताया जा रहा है कि उन्होंने पहले लोगों का भरोसा जीता, अपने व्यवहार से लोगों को विश्वास में लिया और सबसे पैसे लेकर 15 लाख तक जमाकर फ़रार हो गए। वहीं लोगों के पास ब्याज पर पैसे देने के कागजात ना होने के चलते वे पुलिस के पास भी नहीं जा पा रहे हैं।

यहां रेलवे स्टेशन के सामने पकौड़ी की ठेली लगाने वाले दंपति लोगों को अपने झांसे में लेकर लाखों रुपए का चूना लगाकर फरार हो गए। बताया जा रहा है की पकौड़ी बेचने वाले दंपति करीब एक दर्जन लोगों से 10 से 15 लाख रुपए की धोखाधड़ी कर फरार हो गए हैं। धोखाधड़ी के शिकार लोगों के मुताबिक पकौड़े बेचने वाले दंपति मूल रूप से यूपी के रहने वाला है और लालकुआं वार्ड नंबर 6 में किराए में रहता था। लालकुआं रेलवे स्टेशन परिसर के ठीक सामने पकौड़ी की ठेली लगाने वाले दंपति पिछले कुछ महीनों से ठेला लगाकर पकौड़ी बेचा करते थे। उनकी पकौड़ी मशहूर हो गई थी और कई लोग उनकी पकौड़ी बड़े चाव से खाते थे।

दंपति ने करीब एक दर्जन से अधिक लोगों से ब्याज पर पैसे लिए थे। लोगों ने उनको ब्याज के लालच में आकर मोटी रकम भी दे दी। पकौड़ी बेचने वाले दंपत्ति लोगों को अपने झांसे में लेकर 10 से 15 लाख रुपए का चूना लगाकर रातों-रात फरार हो गया है। कई दिनों तक पकौड़ी की ठेली नहीं खुलने के बाद लोग जब तलाश करते हुए दुकान पर पहुंचे तो पता चला कि दंपति ने दुकान बंद कर दी है। वहीं लोग पुलिस में जा भी नहीं सकते क्योंकि दंपति को पैसा ब्याज पर देने का किसी के पास कोई लिखित कागजात नहीं हैं, जिसके चलते अब वो लोग पुलिस के पास भी नहीं जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

संपादकीय

'महाभूकंप' की पदचाप

अचानक धरती कांप उठी और हम लडख़ड़ा कर गिरते-गिरते बचे। तुरंत एहसास हो गया कि यह भूकंप का झटका था। सभी अपना काम यथावत छोड़ कर घर-दफ्तर के बाहर निकल गए, लेकिन उस दिन पृथ्वी के भीतर ऐसी हलचलें हुईं कि आधा घंटे के अंतराल पर दो भूकंप आए। बाद वाले भूकंप की तीव्रता 6.2 मापी गई। नेपाल का हिमालयीय क्षेत्र भूकंप का केंद्र था, लेकिन राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई शहरों ने कंपन और धक्के महसूस किए। भूकंप की यह तीव्रता भी खतरनाक और घातक है। ईश्वर की कृपा रही कि कहीं से जान-माल की त्रासद खबरें नहीं आईं। कुछ लोग नेपाल में घायल हुए हैं और एक पुराने भवन की दीवार ढही है। बहरहाल भूकंप विशेषज्ञ बार-बार आकलन करते हुए भविष्यवाणी करते रहे हैं कि ये भूकंप किसी 'महाभूकंप' की पदचाप हैं। ऐसा 'महाभूकंप' 50,100 या 200 सालों में कभी भी आ सकता है। उसके निश्चित समय का आकलन विशेषज्ञ भी नहीं कर पा रहे हैं। यदि 'महाभूकंप' आया, तो 'महाप्रलय' के हालात बनेंगे और तबाही, त्रासदियां व्यापक स्तर पर होंगी। तुर्किये के भूकंप संभावित महाप्रलय की बानगी माने जा सकते हैं। यदि भूकंप की तीव्रता 7 को पार कर गई और करीब 8 हुई, तो राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्र की आधे से अधिक इमारतें वे भूकंपीय कंपन झेल नहीं पाएंगी। इसी साल अगस्त में 6 तीव्रता से अधिक के भूकंप हमने आधा दर्जन बार महसूस किए हैं। अलबत्ता भूकंपों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सवाल यह नहीं है कि भूकंप क्यों आते हैं या पृथ्वी के भीतर की प्लेटें आपस में क्यों टकराती हैं? ये सवाल फिलहाल हमारे वैज्ञानिक, भूगर्भीय विशेषज्ञों के अनुसंधान से परे हैं, लेकिन बुनियादी चिंता यह है कि हम लगातार भूकंपों से कांपने, हिलने-डुलने के बावजूद लापरवाह हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के प्रोफेसर अनिल गुप्ता का विश्लेषण है कि राजधानी दिल्ली की सोसायटियों में बहुमंजिला इमारतें बनी हैं। छोटे स्तर पर बिल्डर भी ऐसे भवन बनवा रहे हैं। वे भवन भूकंप-रोधी तकनीक से बन रहे हैं अथवा नहीं, इमारतों की भूकंप झेलने की क्षमताएं शेष हैं या नहीं, लंबे समय तक गर्मी, धूप, बारिश सहते हुए इमारतों पर उनके क्या प्रभाव पड़े हैं अथवा इमारतों के नीचे पानी रिस रहा है, तो सीलन कितनी है, इन तमाम स्थितियों की न तो उचित और निरंतर जांच की जाती है और न ही कोई कड़े कायदे-कानून हैं। यकीनन भूकंप के झटके हमारे निर्माणों की मजबूती को कमजोर तो कर ही रहे हैं। राजधानी दिल्ली की ही चिंता नहीं है, बल्कि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड, उप्र, बिहार के कई हिस्से, गुजरात का कच्छ रण, सभी पूर्वोत्तर राज्य, अंडेमान-निकोबार द्वीप समूह आदि भूकंप-संवेदी क्षेत्र हैं। इन्हें जोन 4 और 5 में वर्गीकृत किया गया है। यानी ये क्षेत्र विध्वंस और मौत के कगार पर स्थित हैं। नेपाल का 7.9 तीव्रता वाला भूकंप 2015 में हम देख-पढ़ चुके हैं। कितने लोग मारे गए थे और कितने भवन 'मलबा' हो गए थे। इतिहास में 1897 का शिलांग पठार का 8.1 तीव्रता, 1905 में कांगड़ा का 7.8 तीव्रता, बिहार-नेपाल सीमा का 1934 में 8.3 तीव्रता और 1950 में अरुणाचल-चीन सीमा पर 8.5 तीव्रता के भूकंप दर्ज हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

गढ़वाल : घास काटने गई महिला को बाघ ने बनाया निवाला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी गढ़वाल 05 अक्टूबर : उत्तराखंड में जंगली जानवरों की बढ़ती धमक से लोग दहशत में हैं। बाघ-गुलदार के हमले में लोगों की जान जा रही है, ग्रामीण कह रहे हैं कि सरकार बाघ-गुलदार तो बचा रही है, लेकिन सरकार के लिए इंसान की जान की कोई कीमत नहीं। बाघ के हमले की ताजा घटना पौड़ी में सामने आई। यहां बाघ ने एक महिला को मार डाला। घटना के वक्त महिला घास लेने के लिए जंगल गई थी। बाद में उसका शव झाड़ियों से बरामद हुआ। इसी तरह की एक घटना लैंसडौन में भी सामने आई है, जहां गुलदार ने एक सैनिक पर हमला कर दिया। घायल सैनिक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पहली घटना नैनीडांडा के हल्दूखाल क्षेत्र के पास की है। जहां गुणिया गांव में खेतों से सटे जंगल में बाघ ने एक महिला की जान ले ली। महिला खेत में घास काटने गई थी। तभी उस पर बाघ ने अचानक हमला कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई। महिला का शव झाड़ियों में अटका था, शव को देर रात निकाल लिया गया। यह क्षेत्र गढ़वाल वन प्रभाग की दीवा रेंज के अंतर्गत आता है। नैनीडांडा के पूर्व कनिष्ठ उपप्रमुख संजय गौड़ ने बताया कि यह इलाका केटीआर के जंगलों से सटा बाघ प्रभावित क्षेत्र हैं।

मरने वाली महिला का नाम बिगारी देवी है। 46 साल की बिगारी देवी गांव से करीब आधा किमी दूर खेतों में घास काटने गई थी, लेकिन शाम तक घर नहीं लौटी। परिजनों-ग्रामीणों ने खोजबीन शुरू की तो महिला का शव झाड़ियों में मिला। इसी तरह लैंसडौन में भी ड्यूटी से वापस लौट रहे बाइक सवार सैनिक पर गुलदार ने हमला कर दिया। घायल सैनिक को इलाज के लिए मिलिट्री हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

आक्रोशित ग्रामीणों ने धुमाकोट-कोटद्वार मार्ग पर लगाया जाम

पौड़ी । नैनीडांडा में मंगलवार को हुई घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने बुधवार को धुमाकोट -कोटद्वार मार्ग पर जाम लगा दिया। जाम में क्षेत्र के गुणिया, मोक्षण, नैनीडांडा, कपलटंडा, जोगिड़ा, शीला, हल्दूखाल आदि गांवों से बड़ी संख्या में महिला, पुरुष सुबह ही ब्लाक मुख्यालय नैनीडांडा के मुख्य बाजार में एकत्रित हुए। जाम के कारण कुछ वाहन भी यहां फंसे रहे। ग्रामीणों ने यहां सुबह करीब दस बजे से जाम लगा दिया। ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को 20 लाख मुआवजा देने, बाघ अथवा गुलदार को नरभक्षी घोषित करने , मृतक महिला के बेटे को सरकारी नौकरी देने की मांग रखी। साथ ही कि ब्लाक भर के गांवों में खेतों व आस-पास की सिविल भूमि पर फैली कूरी, काला बांसा आदि की झाडियों को भी हटाया जाए। मौके पर मौजूद वन और राजस्व अफसरों ने कई दौरे की वार्ता प्रदर्शनकारियों से की, लेकिन उन्होंने एक नहीं सुनी और अपनी मांग पर अड़े रहे। दोपहर करीब दो बजे बमुश्किल ग्रामीण माने और तब जाकर मार्ग से जाम हटाया जा सका। मंगलवार को घास लेने गई बिगारी देवी गुलदार या बाघ ने निवाला बनाने के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है। वहीं इस हादसे के बाद समूचे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना है। ग्रामीणों का कहना है कि आए दिन हिंसक जानवरों द्वारा पशुओं के साथ अब मनुष्यों को मार डालने की घटनाओं में इजाफा हो रहा है। जिसके कारण भारी आक्रोश है। इस मौके पर ग्रामीणों ने रेंजर महेंद्र सिंह रावत, तहसीलदार विकास अवस्थी, बीडीओ प्रमोद चंद्र पांडेय से मांगों पर समुचित कदम उठाने की बात कही। जिस पर आश्वासन दिया कि मांग को उच्चाधिकारियों को भेजा जाएगा। इसमौके पर गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष राजेंद्र अंथवाल, ज्येष्ठ उप प्रमुख ललित पटवाल, संजय गौड़, सत्यपाल सिंह, सुरेंद्र प्रताप, मनोज मधवाल, वीएल मधवाल, दीनू चतुर्वेदी के साथ ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

शाबाश दून पुलिस : लूट की घटना का 24 घंटे के अन्दर किया खुलासा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

- **महिला सुरक्षा के प्रति गंभीर दून पुलिस, बसन्त विहार क्षेत्र में महिला के साथ हुई लूट की घटना का दून पुलिस ने 24 घंटे के अन्दर किया खुलासा**
- **महिलाओं की सुरक्षा दून पुलिस की प्राथमिकता है, महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अपराधों पर त्वरित कार्यवाही तथा उन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिये सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिये गये हैं : एसएसपी देहरादून**

देहरादून 05 अक्टूबर : समय लगभग 00:45 बजे मोहित नगर, थाना बसन्त विहार निवासी नम्रता बोहरा पत्नी सुनील कुमार बोहरा के घर पर एक व्यक्ति द्वारा जबरदस्ती घुसकर चाकू की नोक पर नगदी व ज्वैलरी लूट ली गयी थी। उक्त सम्बन्ध में वादिनी उपरोक्त द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्र पर तत्काल थाना बसंत विहार पर अंतर्गत धारा 392 आईपीसी बनाम अज्ञात अभियोग पंजीकृत किया गया। घटना के खुलासे हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा तत्काल एक विशेष टीम का गठन करते हुए थानाध्यक्ष बसन्त विहार को 48 घंटे के अन्दर घटना का अनावरण करने के निर्देश दिये गये थे।

गठित पुलिस टीम द्वारा घटना के संबंध में वादिनी से जानकारी करने प्राप्त करते हुए घटनास्थल के आसपास 04 कि0मी0 के दायरे में लगे लगभग 250 सीसीटीवी फुटेजों का अवलोकन किया गया साथ ही पूर्व में चोरी, नकबजनी में जेल गए अभियुक्तों, नशे के आदी व्यक्तियों सहित लगभग 150 संदिग्ध व्यक्तियों को चिन्हित कर उनसे पूछताछ की गई। सीसीटीवी फुटेज से प्राप्त अभियुक्त के हुलिये से मुखबिरों को अवगत कराते हुए अभियुक्त के सम्बन्ध में जानकारी एकत्रित की गयी तो पुलिस टीम को ज्ञात हुआ कि उक्त संदिग्ध हुलिये से मिलता जुलता एक अभियुक्त अंकित ठाकुर जो पूर्व में चोरी व लूट की कई घटनाओं में जेल जा चुका है कुछ दिन पूर्व ही जेल से छूट कर बाहर आया है। जिस पर पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त के सम्बन्ध में गोपनीय रूप से जानकारी एकत्रित करते हुए उसके सम्भावित ठिकानों पर दबिश दी पर अभियुक्त वहाँ नहीं मिला, अभियुक्त के सम्बन्ध में शास्त्रीनगर खाल में रहने वाले उसके चाचा से जानकारी करने पर उनके द्वारा बताया गया कि अभियुक्त दिनांकः 02-10-23 को उनकी गैर मौजूदगी में उनके घर पर आया था तथा घर में नहाने के बाद अपने कपडे बदलकर चला गया, जाते समय उसके द्वारा अपने चचेरे भाई को पैसों की तंगी के सम्बन्ध में बताते हुए किसी घटना को अंजाम देने की बात कही थी, जिस पर पुलिस द्वारा उसके पुराने दोस्तों के सम्बन्ध में जानकारी एकत्रित करते हुए उनसे भी पूछताछ की गयी। पुलिस द्वारा किये गये अथक प्रयासों के परिणाम स्वरूप पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त अंकित ठाकुर को दिनांकः 04-10-23 की रात्रि में काली मंदिर के पास टी स्टेट जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की तलाशी लेने पर अभियुक्त के पास से लूटे गए जेवरात, नगदी व घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद किया गया।

अभियुक्त अंकित ठाकुर द्वारा पूछताछ में बताया कि वह चार-पांच दिन पहले जेल से जमानत पर छूटा था, उसके चाचा द्वारा उसे घर से बेदखल करा दिया गया था, जिस कारण उसके पास रहने व खाने पीने का कोई ठिकाना नहीं था, पूर्व में उसके द्वारा मोहित नगर व उसके आस-पास के क्षेत्रों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया गया था तथा वह उस क्षेत्र से भली प्रकार से वाकिफ था इसलिये अपनी पैसों की किल्लत को दूर करने के लिये उसने उस क्षेत्र में दोबारा चोरी करने की योजना बनाई। जिसके लिये उसने मोहितनगर में एक घर को चिन्हित कर घटना से एक दिन पूर्व उक्त घर की रेकी की तथा दिनांकः 03-10-23 की देर रात्रि उक्त घर में घुसकर चाकू की नोक पर घर में रहने वाली महिला से नगदी करीब 35000/रू, गले में पहनी एक सोने की चैन तथा अलमारी में रखे जेवर लूट लिए थे। जिनमें से 5000 /- रू0 अभियुक्त द्वारा खाने-पीने और अय्याशी में खर्च कर दिए।

नाम पता अभियुक्तः-

अंकित ठाकुर उर्फ गटर पुत्र अनिल ठाकुर निवासी शास्त्री नगर खाल, 369/1 इंदिरानगर, थाना बसंत विहार, उम्र 29 वर्ष

बरामदगीः-

{1} हाथ के कड़े सुनहरे रंग- 04{2} गले की चैन मय हीरा जड़ित सुनहरे रंग- 01 जोड़ी(3) गले की चैन मय लोकेट सुनहरे रंग- 01 जोडी{4} कान के टॉप हीरा जड़ित सुनहरे रंग- 01 जोड़ी

(5) कान का टॉप सुनहरे रंग का - 01 जोड़ी{6} कान का बुदा सुनहरे रंग के - 01 {7} हाथ की घड़ी फौसिल कम्पनी - 01{8} घटना में प्रयुक्त चाकू - 01{9} नगदी = 30000 /=₹ (बरामद ज्वेलरी की कुल अनुमानित कीमत लगभग 7,30,000/- रुपये)

नशा मुक्त उत्तराखंड को साकार करती चमोली पुलिस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 05 अक्टूबर : चमोली की तेज तर्रार युवा पुलिस अधीक्षक रेखा यादव(IPS) "Drugs Free Devbhoomi-2025" मिशन को बखूबी अंजाम तक पहुंचा रही हैं, अवैध नशे का कारोबार कर युवा पीढ़ी को नशे की चुंगल में धकेलने वालों के मंसूबों को वह लगातार विफल कर रही हैं। अवैध नशे के प्रचलन पर पूर्णतः रोकथाम हेतु उनके द्वारा चमोली पुलिस को सक्रिय कर रखा है। अवैध नशे के खिलाफ लगातार कार्रवाई करते हुए पुलिस उपाधीक्षक कर्णप्रयाग अमित कुमार सैनी के निकट पर्यवेक्षण एवं थानाध्यक्ष थराली की देखरेख में थाना थराली की टीम गठित करते हुए थराली व देवाल क्षेत्र में लगातार चेकिंग की गई चेकिंग के दौरान दिनांक 03/10/2023 को देवाल में इछौली गदेरे के समीप जयवीर राम पुत्र प्रेम राम ग्राम बलान पटवारी वृत जैन बिष्ट तहसील थराली जनपद चमोली उम्र 22 वर्ष के कब्जे से 1 किलो 11 ग्राम अवैध चरस जिसकी कीमत लगभग ₹ 1,00000 है बरामद की गयी।

बरामदगी के आधार पर अभियुक्त उपरोक्त के विरुद्ध थाना थराली में मु0अ0सं0 36/23 धारा 8/20 NDPS ACT तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। गिरफ्तारी व बरामदगी करने वाली पुलिस टीम की सराहना करते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा उत्साहवर्धन हेतु टीम को 1500 रु0 का नगद पुरस्कार देने की घोषणा की गयी। पुलिस अधीक्षक चमोली द्वारा बताया गया कि चमोली में अवैध नशा तस्करों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जायेगा,नशे का काला कारोबार कर युवाओं को बर्बाद करने वालों के खिलाफ हमारी टीमें लगातार सक्रिय हैं।

नाम पता अभियुक्त- जयवीर राम पुत्र प्रेम राम पटवारी व्रत जैन बिष्ट तहसील थराली जनपद चमोली उम्र 22 वर्ष

बरामद माल- 01 किलो 11 ग्राम अवैध चरस अंतरराष्ट्रीय बाजार मे कीमत करीब 1,00000 रु0

पुलिस टीम1. थानाध्यक्ष देवेंद्र पंत थाना थराली2. चौकी प्रभारी उ0नि0 विनोद रावत चौकी देवाल 3. हे0कां0 दिगंबर रावत4. कां0 राजेश5. कां0 कृष्णा भंडारी6. कां0 राजेंद्र रावत एसओजी7. होमगार्ड राकेश

भूकंप की मॉकड्रिल में समझाए बचाव के टिप्स

चमोली। जिला आपदा प्रबंधन द्वारा जोशीमठ तहसील प्रशासन, एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ के साथ बुधवार को जोशीमठ में भूकंप को लेकर मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान भूकंप के बाद क्षतिग्रस्त भवनों में से लोगों को सुरक्षित बाहर निकालते हुए उपचार मुहैया कराने और रेस्क्यू ऑपरेशन संचालन के बारे में अभ्यास कराया गया। ताकि भूकंप जैसी आपदा में कम से कम रिसपोंस टाइम में रेस्क्यू कार्यो को अंजाम दिया जा सके। उप जिलाधिकारी कुमकुम जोशी की देखरेख में संचालित यह मॉक अभ्यास पूरी तरह सफल रहा।

बुधवार को दोपहर 12:30 बजे जोशीमठ स्थित जीएमवीएन गेस्ट हाउस में भूकंप के कारण कुछ लोगों के दबे होने की सूचना प्रसारित की गई। तहसील स्तरीय इंसीडेंट रिस्पांस सिस्टम के रिस्पोंसिबल ऑफिसर एसडीएम कुमकुम जोशी ने आईआरएस से जुड़े सभी तहसील स्तरीय अधिकारियों को आपातकालीन परिचालन केन्द्र में उपस्थित होने के निर्देश दिए। जिसके 10 मिनट बाद ही एक टीम को आवश्यक उपकरणों के साथ जीएमवीएन के लिए रवाना किया गया। घटनास्थल पर पहुँचते ही टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और घायल लोगों को निकालते हुए एंबुलेंस से प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। मॉकड्रिल में एसडीएम कुमकुम जोशी, एनडीआरएफ के असिस्टेंट कमांडेंट आरएस धपोला, एसडीआरएफ के निरीक्षक जगमोहन सिंह, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी एनके जोशी, खंड विकास अधिकारी मोहन जोशी समेत पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, चिकित्सा, विद्युत, पेयजल, लोनिवि, बीआरओ आदि विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, एनसीसी कैडेट्स शामिल थे।

मतदेय स्थलों के पुनर्निर्धारण के संबंध में राजनैतिक दलों के साथ हुई बैठक

चमोली। मतदेय स्थलों के पुनर्निर्धारण, संशोधन एवं परिवर्तन से संबधित प्रस्तावों पर विचार-विमर्श को लेकर बुधवार को अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ अभिषेक त्रिपाठी की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ बैठक हुई। जिसमें नए मतदेय स्थलों के प्रस्ताव तत्काल उपलब्ध कराने को कहा गया।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा मतदेय स्थलों के पुनर्निर्धारण, संशोधन एवं परिवर्तन हेतु संशोधित पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी किया है। मतदेय स्थलों के पुनर्निर्धारण संशोधन एवं परिवर्तन से संबधित अभी भी कोई सुझाव या प्रस्ताव बाकी है, तो तत्काल उपलब्ध करें। सभी एसडीएम तहसील स्तर पर जन प्रतिनिधियों से वार्ता करते हुए नए मतदेय स्थलों का पुनः पुनरीक्षण करें।

इस दौरान बताया कि राजनैतिक दलों से अब तक प्राप्त प्रस्तावों और मतदेय स्थलों के भौतिक सत्यापन के बाद मतदेय स्थलों के पुनर्निर्धारण, संशोधन एवं परिवर्तन से संबधित कुल 45 प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। जिसमें मतदेय स्थल की पैदल दूरी दो किमी से अधिक होने के कारण 20, एक ही भवन में संचालित दो मतदेय स्थलों में मतदाताओं की संख्या 1500 से कम होने पर समायोजित हेतु 02, किसी कारण से मतदेय स्थल के नाम में परिवर्तन होने पर 05, वर्तमान मतदेय स्थल क्षतिग्रस्त होने पर 12 और मतदाताओं की सुविधा हेतु किसी अनुभाग को दूसरे अनुभाग में शामिल करने हेतु 06 प्रस्ताव शामिल है। नए मतदेय स्थलों बनाने हेतु प्राप्त 20 प्रस्ताव और मतदाताओं की संख्या 1500 से कम होने पर 02 मतदेय स्थलों के समायोजन के बाद कुल 18 नए मतदेय स्थल बनाए जाने के प्रस्ताव पूर्व में आयोग को भेजे जा चुके है। जनपद की तीनों विधानसभा में अभी 574 मतदेय स्थल है और 18 नए मतदेय स्थलों के प्रस्तावों पर आयोग की स्वीकृति मिलने के बाद जिले में मतदेय स्थलों की संख्या बढकर 592 हो जाएगी। बैठक में भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष गोविन्द सिंह बजवाल, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष आनंद सिंह पंवार, आम आदमी पार्टी के पूर्व प्रभारी अनूप सिंह, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी डीसी सती, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी गीता राम उनियाल, सहायक जगदीश सिंह, जसपाल सिंह आदि उपस्थित थे।